CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-147
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 01 सितम्बर 2024

आज का विचार

बचपन की सबसे बड़ी गलतफहमी थी कि बड़े होकर जिंदगी अच्छी हो जायेगी

इस माह सामान्य से ज्यादा बरसेंगे बादल

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट, उत्तर-पश्चिम भारत और आसपास के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली। भारत में सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। वहीं उत्तर-पश्चिम भारत और आसपास के क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि देश में सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है, जो 167.9 मिमी की लंबी अवधि के औसत का 109 प्रतिशत है। अगस्त में सामान्य से अधिक बारिश होने के बाद सितंबर महीने में भी उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और मध्य प्रदेश के आसपास के इलाकों

समेत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी प्रमुख ने बताया कि भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ इलाके, दक्षिणी प्रायद्वीप के कई इलाके, उत्तरी बिहार और उत्तर-पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश इलाके, जहां सामान्य से कम बारिश होने की उम्मीद है। इस दौरान मानसून के कम दबाव का क्षेत्र के अपनी सामान्य स्थिति में रहने की उम्मीद है, इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी में कई कम दबाव वाली सिस्टम विकसित होने की संभावना है, जो राजस्थान तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ सकती हैं। महापात्र ने कहा कि कम दबाव क्षेत्र हिमालय की तलहटी की ओर भी जा सकती है, और सितंबर में इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले पश्चिमी विक्षोभ की संभावना है।

अगस्त महीने में सामान्य से 16% ज्यादा बारिश

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार देश में अगस्त महीने में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। आईएमडी के अनुसार देश में अगस्त महीने में 16 फीसदी से ज्यादा बारिश हुई है, जबकि उत्तर-पश्चिम भारत में 253.9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 2001 के बाद अगस्त में दूसरी सबसे अधिक वर्षा है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि देश में अगस्त में 287.1 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य 248.1 मिमी बारिश होती है। कुल मिलाकर, भारत में 1 जून को मानसून सीजन की शुरूआत के बाद से सामान्य 701 मिमी के मुकाबले 749 मिमी बारिश हुई है।

जम्मू-कश्मीर के साथ 8 तारीख को आएंगे नतीजे

हरियाणा में 1 के बजाय 5 अक्टूबर को होगा विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 1 अक्टूबर को नहीं होगा। चुनाव आयोग ने यह तारीख बढ़ाकर 5 अक्टूबर कर दी है। इसके साथ ही, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना दिवस को 4 अक्टूबर से बढ़ाकर 8 अक्टूबर कर दिया गया है। इस तरह दोनों ही राज्यों के चुनावी नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। आयोग की ओर से कहा गया, यह फैसला बिश्नोई समुदाय के मतदान के अधिकार और परंपराओं का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने अपने गुरु जम्भेश्वर की याद में आसोज अमावस्या उत्सव समारोह में भाग लेने की सदियों पुरानी प्रथा को बरकरार रखा है। ईसीआई की ओर से कहा गया, आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख बदलने को लेकर अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा से आवेदन मिला था। इसमें कहा गया कि पंजाब, राजस्थान और हरियाणा के कई परिवार एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा का पालन करते हैं। वे अपने गुरु जम्भेश्वर की स्मृति में बीकानेर जिले में होने वाले वार्षिक उत्सव के लिए राजस्थान में अपने पैतृक गांव मुकाम का दौरा करते हैं। इस साल यह त्योहार 2 अक्टूबर को पड़ेगा। इसलिए, सिरसा, फतेहाबाद और हिसार में रहने वाले हजारों बिश्नोई परिवार मतदान के दिन राजस्थान की यात्रा करेंगे, जिससे वे वोटिंग के अधिकार से वंचित हो सकते हैं। चुनाव आयोग पहले भी विभिन्न समुदायों की भावनाओं का सम्मान करते हुए वोटिंग की तारीखें बदलता रहा है। उदाहरण के तौर पर 2022 में पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान ऐसा हुआ, एउ ने गुरु रविदास जयंती के लिए वाराणसी जाने वाले भक्तों के लिए चुनाव सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। इसी तरह, मणिपुर में 2022 के विधानसभा चुनाव में आयोग ने ईसाई समुदाय की रविवार की प्रार्थना का सम्मान करते हुए मतदान की तारीखें बदलीं। साल 2023 के राजस्थान विधानसभा चुनाव में भी ऐसा हुआ। ईसी ने देवउठनी एकादशी पर होने वाली वोटिंग की डेट बदल दी जो राजस्थान में सामूहिक विवाह के लिए महत्वपूर्ण दिन है। इतना ही नहीं, यूपी विधानसभा चुनाव 2012 में बारावफात के कारण मतदान की तारीख बदली गई थी। हरियाणा में मतदान की तारीख बदलने से 30 सितंबर को एक दिन की छुट्टी लेने से 6 दिन का ऑफ वाली चिंता का भी समाधान हो जाएगा। इससे पहले, चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए 1 अक्टूबर को मतदान होगा।

भाजपा में तीन पीढ़ियों का योगदान

कांग्रेस में एक ही परिवार सत्ता में

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा ने अपने सदस्यता अभियान को गति देने के लिए संगठन पर्व का आयोजन किया। भोपाल के टैगोर मण्डल के बूथ क्रमांक-111 पर आयोजित इस कार्यशाला में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर तीखे हमले करते हुए पार्टी के विचारों और नीतियों को स्पष्ट रूप से सामने रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा में तीन पीढ़ियों का योगदान है, जबकि कांग्रेस में एक ही परिवार सत्ता में बना हुआ है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता के महत्व और पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा के बारे में अवगत कराया। यादव ने कहा कि भाजपा में नायक नहीं, बल्कि कार्यकर्ता का महत्व है। भारत में कर्तव्यों के हस्तांतरण की परंपरा है, और हमारी पार्टी ने जो कहा, उसे हमेशा पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में धारा 370 का जिक्र किया और कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारे पहले अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने धारा 370 का विरोध करते हुए अपना पद छोड़

दिया था। उन्होंने अपनी शहादत दी, लेकिन कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 लागू करके बड़ी गलती की थी। कांग्रेस के नेताओं ने कभी कश्मीरी पंडितों और वहां के लोगों के लिए चिंता नहीं की। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर चीन से हाथ मिलाने का भी आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने उन लोगों का समर्थन किया, जिन्होंने कहा था कि धारा 370 हटने पर देश में खून की नदियां बह जाएंगी। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने के बाद भी देश में एक चींटी की भी हत्या नहीं हुई। कांग्रेस ने राम मंदिर के निर्माण में भी अड़ंगा लगाया, लेकिन भाजपा ने अपने वादे को निभाया। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर धार्मिक आस्थाओं को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता वोट मांगने तो आएंगे, लेकिन मंदिर नहीं जाएंगे। आज तक अयोध्या में दर्शन करने के लिए कांग्रेस का कोई भी नेता नहीं गया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, या सोनिया गांधी में से कोई भी अयोध्या दर्शन के लिए नहीं पहुंचा। यह जनता के सामने एक बड़ा सवाल है।

कार्यशाला के अंत में मुख्यमंत्री यादव ने बताया कि भाजपा का सदस्यता अभियान पूरे देश में जोर-शोर से शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं में सदस्यता अभियान को लेकर जबरदस्त ऊर्जा है। सभी वर्गों के लोग इस अभियान में शामिल होंगे, और रोजगार और उद्योग लगाने को लेकर सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा और पार्टी की विचारधारा दोनों ही कांग्रेस से अलग हैं, और यह फर्क जनता के सामने स्पष्ट है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर युवक ने चलाया घूसा, सुरक्षाकर्मियों ने बचाया

बेगूसराय। बेगूसराय के सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर एक युवक ने हमला कर दिया। यह घटना तब हुई जब जनता दरबार में वह लोगों की बात सुन रहे थे। सुरक्षकर्मियों ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद सैफी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बताया कि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह बलिया अनुमंडल में लोगों से मुलाकात कर रहे थे और लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। उसी वक्त वहां मोहम्मद सैफी नाम का एक युवक वहां पहुंचा और सबसे पहले उसने माइक को अपने कब्जे में ले लिया और अनाप-शनाप बयानबाजी करने लगा। इसी बात से जब भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों ने उसका विरोध किया तब आरोपी युवक ने गिरिराज सिंह पर मुक्का चला दिया। हालांकि वहां पर मौजूद

सुरक्षाकर्मियों ने गिरिराज सिंह को बचा लिया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीधे-सीधे आरोप लगाते हुए कहा है कि दाढ़ी बढ़ाने से कोई मुल्ला नहीं बन जाता और जिस तरह से ऊक्त मुस्लिम युवक के द्वारा उन्हें डराने धमकाने का काम किया जा रहा है वह इससे डरने वाले नहीं है। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में तेजस्वी यादव एवं उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव जैसे लोगों का समर्थन मिलने की वजह से आज अपने आप को कट्टरपंथी मुसलमान कहलाने वाले लोगों का मनोबल बढ़ा है और वह एक सांसद पर भी हमला करने से नहीं चुक रहे हैं। उन्होंने एक बार फिर बखूफ बोर्ड पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वक्फ बोर्ड के द्वारा फतुहा ही नहीं बल्कि बेगूसराय में भी हिंदुओं के जमीन पर नोटिस भेजा जा रहा है और उसे अपना बताया जा रहा है। वक्त बोर्ड का काम वर्तमान में जमीन जुटाव अभियान में तब्दील हो चुका है।

सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में

इस साल चार महीने में देश में 47 बाघों की हुई मौत

नई दिल्ली। देश में बाघों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिपोर्ट पेश की है, जिसमें बताया गया है कि पिछले साल अलग-अलग कारणों से 181 बाघों की मौत के बाद, इस साल अब तक 47 और बाघों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा बाघों की मौत मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हुई है। पिछले साल हुई 181 मौतों में से लगभग आधी मौतें इन्हीं दोनों राज्यों में हुई थीं। मध्य प्रदेश में 43 और महाराष्ट्र में 45 बाघों की मौत दर्ज की गई थी। इसके बाद उत्तराखंड (21), तमिलनाडु (15), केरल (14), कर्नाटक (12) और असम (10) का नंबर आता है। साल 2023 में मरने वाले 181 बाघों में से सिर्फ 44 की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई थी। वहीं, नौ बाघों को शिकारियों ने मार डाला। एनटीसीए ने बताया कि 115 बाघों की मौत के कारणों की जांच अभी भी की जा रही है। सात बाघों की मौत अप्राकृतिक कारणों से हुई, जबकि छह की मौत दौरे पड़ने से हुई। इस साल 1 जनवरी से 12 अप्रैल तक देश में 47 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें से 17 मौतें मध्य प्रदेश में और 11 मौतें महाराष्ट्र में हुई हैं। यानी कुल मौतों का 50त्न से ज्यादा हिस्सा सिर्फ इन दो राज्यों से है। कर्नाटक में छह, उत्तर प्रदेश में तीन, राजस्थान, केरल, तेलंगाना और उत्तराखंड में दो-दो और छत्तीसगढ़ और ओडिशा में एक-एक बाघ की मौत हुई है। एनटीसीए ने बताया कि मौत के कारणों की जांच की जा रही है। जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने यह रिपोर्ट पेश करते हुए, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने बताया कि एनटीसीए की सलाह पर राज्यों ने बाघों की आबादी को सुरक्षित रखने के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं।

वैनिटी वैन में हिडन कैमरे होने के अभिनेत्री के दावे पर मचा हंगामा

अभिनेत्रियों को कपड़े बदलते देखते हैं एक्टर

तिरुवनंतपुरम। मलयालम फिल्म इंड्रस्ट्री में एक्ट्रेस के साथ हो रहे यौन उत्पीड़न के मामले में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। जस्टिस के हेमा समिति की रिपोर्ट जारी होने के बाद मलायलम फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेस की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी बीच साउथ एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार ने शनिवार को एक चौंकाने वाला दावा किया कि एक मलयालम फिल्म की शूटिंग सेट पर मौजूद वैनिटी वैन में हिडन कैमरे लगे थे। इन कैमरों के जरिए एक्ट्रैस के आपत्तिजनक वीडियोज रिकॉर्ड किए गए थे। राधिका सरथकुमार ने आगे दावा किया कि उन्होंने एक्ट्रेसेस के आपत्तिजनक वीडियो को एक्टर्स को अपने फोन में देखते हुए भी देखा है। राधिका ने

कहा कि मैंने देखा कि वैनिटी वैन में एक्ट्रेस कपड़े बदलते हुए वीडियोज को एक्टर देख रहे हैं। एक्ट्रेस ने एक मलयालम फिल्म के सेट पर हुई घटना को उजागर किया हालांकि, उन्होंने इस बात की जानकारी नहीं दी कि वो उन्होंने यह घटना कहां और किस सेट पर देखा।

अब जिम्मेदारी महिलाओं पर- राधिका सरथकुमार ने आगे कहा,मैंने वैनिटी में कपड़े बदलती महिलाओं के वीडियो देखे हैं। मुझे बहुत गुस्सा आया। मैंने जोर देकर कहा कि मुझे सुरक्षित रहने की जरूरत है और इसलिए मैंने कहा कि मुझे वैनिटी नहीं चाहिए और मैं अपने होटल के कमरे में वापस चली गई। अब जिम्मेदारी महिलाओं पर है। उन्हें अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी उठानी होगी।

आरएमपी नेता ने एक्ट्रेस के बयान पर जताई चिंता- आरएमपी नेता केके रेमा ने राधिका सरथकुमार के बयान पर हैरानी जताते हुए कहा कि फिल्म उद्योग में कथित तौर पर हो रही क्रूरताएं किसी की कल्पना से परे हैं। उन्होंने मीडिया से कहा, यह किस तरह की क्रूरता है। सिनेमा जगत तेजी से सबसे बड़ा अंडरवर्ल्ड बनता जा रहा है।इन सभी आरोपों से हमें यही समझ आता है। बता दें कि यौन उत्पड़न मामले को लेकर मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कई एक्टर और डायरेक्टर पर मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

CNEWS सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे

9755996590

देवी अहिल्या ने 30 से ज्यादा मंदिरों के कराए जीर्णोद्धार, दस नदियों पर घाटों के निर्माण

देवी अहिल्या की 229वीं पुण्यतिथि आज, पालकी यात्रा में शामिल होंगे सीएम

इंदौर। देवी अहिल्या की 229वीं पुण्यतिथि रविवार को मनाई जा रही है। शहर में देवी अहिल्या की पुण्यतिथि पर दोपहर साढ़े तीन बजे पालकी निकाली जाएगी। गांधी हॉल से राजवाड़ा तक जाने वाली पालकी में मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल होंगे। इससे पहले गांधी हॉल में एक समारोह आयोजित होगा जिसमें गुणीजन सम्मान होगा। समारोह के अतिथि शिवगंगा अभियान के महेश शर्मा होंगे, जबकि अध्यक्षता पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन करेंगी। अहिल्या बाई होलकर ने मालवा पर राज सन 1767 से 1795 तक किया। भले ही वे एक छोटे से स्टेट की महारानी थी, लेकिन उन्होंने देशभर में सांस्कृतिक विकास कर अपनी अलग पहचान बनाई। देवी अहिल्या ने देशभर के 30 से ज्यादा मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया और दस बड़ी नदियों पर घाटों का निर्माण कराया। उनके कार्यकाल में बनाए गए कई घाट आज भी नदियों पर बरकरार है। लोककल्याण और परोपकारी कामों ने उनकी देश में एक अलग पहचान बनी। महाराष्ट्र के चौड़ी गांव में जन्मी देवी अहिल्या न्यायप्रिय थी और अपनी सत्ता को शिव की सत्ता मानती थी। वे हमेशा अपने साथ शिवपिंड रखती थी।

देवी अहिल्या ने अयोध्या के राममंदिर का जीर्णोद्धार कराया। 22 जनवरी को जब राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई तब भी अहिल्या का जिक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उज्जैन में उन्होंने चिंतामण गणेश मंदिर का निर्माण कराया। इसके अलावा महाकाल मंदिर का जीर्णोद्धार किया। अ?ैंकारेश्वर, नासिक, संगमनेर, पंढरपुर,चौड़ी, चित्रकूट, पुष्कर,ऋषिकेश, भुसावल, प्रयाग, जेजुरी, मिरी और मथुरा में उन्होंने नए मंदिरों का निर्माण व पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार किया। देवी अहिल्या भक्तों का भी ख्याल रखती थी। उनकी सुविधा के लिए बद्रीनाथ, मथुरा, हरिद्वार, केदारनाथ,रामेश्वर, अमरकंटक, सप्तश्रृंगी माता, भरतपुर, नासिक, अयोध्या में धर्मशालाएं बनवाई।

देवी अहिल्या ने बनवाया था मणिकर्णिका घाट

देवी अहिल्या ने देश की बड़ी नदियों पर भक्तों के स्नान की सुविधा के लिए घाट भी बनवाए। वाराणसी का मशहूर मणिकर्णिका घाट भी उन्होंने बनवाया था। इसके अलावा हरिद्वार में एक घाट बनाया गया। जिस पर हुए कब्जे का केस कोर्ट में प्रशासन ने लगाया है। अयोध्या का सरयु घाट भी उन्होंने बनवाया। इसके अलावा मथुरा का कालिया देह घाट, नासिक का रामघाट, प्रयाग का घाट, मंडलेश्वर और महेश्वर व अ?ैंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर उनके शासनकाल में घाट बने। देवी अहिल्या ने गया से रामेश्वर तक सड़क भी बनवाई थी, जो अब ट्रंक रोड के नाम से जानी जाती है।

पति के निधन के बाद 28 साल संभाला राज्य, पूरे देश में कराए काम

देवी अहिल्या बाई द्वारा अपने कार्यकाल में देशभर में 8527 धार्मिक स्थल, 920 मस्जिदों और दरगाह, 39 राजकीय अनाथालय का निर्माण कराया। साथ ही उनके कार्यकाल में धर्मशालाओं, नर्मदा किनारे, देश में प्रमुख धर्मस्थलों पर नदियों किनारे के घाटों, कुंए, तालाब, बाबड़ियों और गोशालाओं (उस समय इसे पिंजरापोल कहा जाता था) के निर्माण में आर्थिक मदद दी गई थी। अहिल्या बाई के कार्यकाल में होल्कर राजवंश में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में उनके द्वारा कार्य किए गए, जिनकी फेहरिस्त लंबी है। अहिल्या बाई ने पति के निधन के बाद जब राज्य का कार्यभार संभाला तो उस समय राज्य की स्थिति काफी नाजुक थी। चोर और डाकुओ का आतंक था, राज्य की कानून व्यवस्था संभालना उनके लिए प्रथम कार्य था, साथ ही राज्य की आय को भी बढ़ाना था। अहिल्या बाई ने महेश्वर को अपना मुख्यालय बनाया पर वे इंदौर को नहीं भूली थी। इंदौर का इस्तेमाल सैनिक छावनी के रूप में होता था। होल्कर इतिहास की जानकारी के प्रमुख ग्रंथ महेश्वर दरवारंची बातमीपत्रे – (भाग –1 और 2) में इंदौर से जुड़ी कई जानकारियों का उल्लेख है। 1779 से 1994 तक विट्ठल शामराव और भीकाजी दातार ने वकील के रूप में कार्य किया था, उनके कुछ पत्रों में इंदौर की जानकारियां हैं। अहिल्या बाई के कार्यकाल में आरंभ में यह कार्य खासगी के तहत होता था। होल्कर वंश के प्रथम शासक मल्हारराव ने प्रथम पेशवा बाजीराव से आग्रह किया था की मेरी पत्नी को कुछ जागीर प्रदान की जाए, उन्होंने उनकी पत्नी गौतमा बाई को खासगी (राज्य के कुछ गांवों से कर वसूली और रानियों को दी जाने वाली राशि, व्यक्तिगत संपत्ति) प्रदान की जिससे उन्हें आय होने लगी थी। 20 जनवरी 1734 के एक पत्र अनुसार गौतमाबाई को खासगी से आरम्भ में आमदनी 2 लाख 99 हजार 10 रुपए हुई थी। गौतमाबाई के निधन के बाद खासगी की आय का काम अहिल्या बाई देखती थीं। खासगी की अधिकांश आय का व्यय धार्मिक कार्यों पर होता था। यह खासगी ट्रस्ट आज की कायम है जो धार्मिक स्थलों की व्यवस्था देखता है। अहिल्या बाई ने राजधानी महेश्वर को बनाया और उनके शिव के प्रति स्नेह और आदर भाव का पूर्ण ध्यान रखा गया। नर्मदा किनारे उन्होंने घाटों का निर्माण करवाया, उन्होंने देश भर के विद्वानों को महेश्वर में स्थाई रूप से बसाया और उन्हें वंशानुगत जागीरें भी प्रदान की थी। अहिल्या बाई ने संपूर्ण देश के विद्वानों को महेश्वर में नर्मदा तट पर संरक्षण दिया जिनमें मल्हार भट्ट मुल्ये, जानोबा पुराणिक, रामचंद्र रानाडे, काशीनाथ शास्त्री, दामोदर शास्त्री, निहिल भट्ट, भैया शास्त्री, मनोहर बर्वे, गणेश भट्ट, त्रियम्बक भट्ट, महंत सुजान गिरी गोसाबी, हरिदास आनंद राम प्रमुख थे।

अहिल्या बाई की पहली इंदौर यात्रा

अहिल्याबाई होल्कर 26 मई 1784 को महेश्वर से इंदौर आई थी, वे नगर के छत्रीबाग में ही तंबुओं में रुकी थी। इस दौरान वे देवगुराड़िया शिव मंदिर गई और नगर के सेठ, साहूकारों और नंदलाल पूरा में जमींदार से मिलीं थी। अहिल्या बाई के नगर में रहने के दौरान सराफा में डकैती हो गई थी, जिसके बाद उन्होंने घटना की जांच करने और सख्ती बरतने के आदेश दिए थे। 1785 में नगर के तत्कालीन कामविस्डर खंडो बाबूराव ने अहिल्या बाई को लिखा था कि नगर का विकास तेजी से हो रहा है, आसपास के लोग इंदौर में आकर बस रहे हैं। देवी अहिल्या बाई ने अपना संपूर्ण राज्य शिव को समर्पित कर उनकी संरक्षिता बन कर राज किया था। देवी अहिल्या बाई का जीवन बहुत संकटपूर्ण और संघर्ष का रहा, लेकिन उन्होंने इन सब परेशानियों को अपने राज्य सशालन से दूर कर एक कुशल नेतृत्व के साथ राज्य को संभाला। देवी अहिल्या बाई इंदौर या होल्कर वंश में नहीं बल्कि पूरे भारत में एक न्यायप्रिय, दानशील और कुशल प्रसाशिका के रूप में जानी जाती हैं।

प्रमुख तिथियों पर एक झलक

जन्म – 1725
विवाह –1733
पति का निधन –1767
राज्य की बागडौर संभाली–13 मार्च 1767
महेश्वर को राजधानी बनाया– अक्टूबर 1767
निधन – 30 अगस्त 1795
राज्य का कार्यभार संभाला– 28 वर्ष 5 माह 17 दिन

विदर्भ में भाजपा को टिकटों के बंटवारे पर करना होगी मशक्कत

विजयवर्गीय के सामने टिकट चयन, एंटी इनकंबेंसी जैसी उलझनें रहेंगी चुनौती

इंदौर। कभी कांग्रेस का गढ़ रही महाराष्ट्र की विदर्भ पट्टी में कांग्रेस इस बार फिर पैर जमाना चाहती है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस यहां मजबूती से उभरी है। अब महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होना है। विदर्भ में इस बार भाजपा की राह आसान नहीं दिख रही। लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा।विदर्भ की दस लोकसभा सीटों में से भाजपा सिर्फ दो सीटें ही जीत पाई। इन हालातों के बीच भाजपा को विधानसभा चुनाव में टिकट चयन, बंटवारे के बीच अपनी स्थिति को मजबूत करना बड़ी चुनौती है। इससे निपटने के लिए नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को नागपुर की 12 विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे दो मर्तबा नागपुर का दौरा कर मैराथन बैठकें ले चुके है और विदर्भ की राजनीति का मिजाज समझ रहे है। वे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस से भी मुलाकात कर चुके है। विजयवर्गीय योग्य चेहरे पर फोकस कर रहे है। नए चेहरों को

इस बार मौका दिया जा सकता है।

भाजपा के लिए 12 सीटें प्रतिष्ठा का प्रश्न– महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस नागपुर साउथ-वेस्ट सीट से विधायक है। नागपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी सांसद है। नागपुर में आरएसएस का मुख्यालय भी है। इस लिहाज से भाजपा के लिए नागपुर की 12 सीटें प्रतिष्ठा का प्रश्न है। कटोल, सावनेर,हिंगना, उमरेड, नागपुर,साउथ वेस्ट, नागपुर साउथ, नागपुर ईस्ट, नागपुर सेंट्रल, नागपुर वेस्ट, नागपुर नार्थ, कामठी, रामटेक विधानसभा सीट पर भाजपा महायुति सहयोगियों के साथ चुनाव लड़ेगी,इसलिए भाजपा को टिकटों के बंटवारे पर सबसे पहले कसरत करना होगी। इन 12 सीटों पर टिकटों के चयन पर काफी कुछ निर्भर रहेगा। भाजपा के पास छह विधासभा सीटें है। जिनमें से चार तीन विधायक एंटी इंकमबैंसी फैक्टर से जूझ रहे है। कांग्रेस के पास पांच, जबकि रामटेक सीट पर निर्दलीय आशीष जायसवाल चुनाव जीते है। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में नागपुर जिले में भाजपा का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। 12 सीटों में से 11 सीटों पर भाजपा ने कब्जा किया था और नागपुर सीट से चुनाव जीते देवेंद्र फडनवीस मुख्यमंत्री बने।

आपरेशन छिंदवाड़ा विजय के बाद नागपुर का जिम्मा– लोकसभा चुनाव में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को छिंदवाड़ा लोकसभा सीट का जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वर्ष 2019 में भी मोदी लहर में यह सीट बीजेपी नहीं जीत पाई थी। इस बार पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के बेटे नकुल नाथ इस सीट से चुनाव हार गए। इस जिले की एक विधानसभा सीट भी कांग्रेस उपचुनाव में हार गई। नागपुर के कुछ सीटे छिंदवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों से सटी है। इस कारण विजयवर्गीय को नागपुर के क्षेत्रीय, जातिगत समीकरणों को समझने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

इंदौर–मुंबई रूट पर टोल दरों में बढ़ोतरी

आज से खलघाट और सोनवाय टोल प्लाजा पर बढ़ाई दरें

इंदौर। शहर से मुंबई जाने वालों का सफर अब और महंगा होने वाला है। 1 सितंबर से खलघाट और सोनवाय टोल प्लाजा पर टोल के दाम बढ़ने वाले हैं। इस बढ़ोतरी की सीधा असर आपकी जेब पर होगा। इस दिन लाखों की संख्या में लोग इन टोल से होकर गुजरते हैं। कार, बस और एलसीवी सभी के लिए टोल महंगा होने वाला है। खलघाट की तुलना में सोनवाय टोल पर दामों में ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। हर दिन इन मार्गों से जाने वाले 2 लाख से ज्यादा वाहन चालकों पर इसका असर पड़ेगा। सोनवाय टोल प्लाजा पर कार से सिंगल ट्रिप के लिए अब 40 रुपए लगेंगे, जो पहले 30 रुपए थे। बस का टोल 100 रुपए से बढ़कर 135 रुपए हो जाएगा। एलसीवी वालों को 50 रुपए की जगह अब 65 रुपए देने होंगे। ये नई दरें सितंबर महीने से प्रभावी हो जाएंगी। खलघाट टोल नाके पर भी दाम बढ़ेंगे। कार से जाने पर अब 70 रुपए टोल लगेगा, जो पहले 65 रुपए था। एलसीवी का टोल 115 रुपए से बढ़कर 125 रुपए हो गया है। बस वालों को अब 230 रुपए की बजाय 250 रुपए देने होंगे। टोल के दाम बढ़ने से इंदौर-मुंबई रूट पर सफर करना महंगा हो जाएगा। इसका असर रोजाना सफर करने वालों खासा देखा जाएगा। इसके साथ ही व्यापारियों को भी सफर में मंहगाई के इस खर्च को जोड़ना पड़ेगा।

रिश्तेदार की जगह पर पहुंच गया नर्सिंग का पेपर देने

आधार कार्ड मांगने पर पकड़ाया, फर्जी परीक्षार्थी पर दर्ज हुई एफआईआर

इंदौर। इंदौर में जनरल नर्सिंग की परीक्षा के दौरान एक फर्जी छात्र को पकड़ा है। वह रिश्तेदार की जगह परीक्षा देने पहुंचा था। जब उसका आधार कार्ड मांगा तो वह बहाना बनाने लगा। इस पर उसे परीक्षा देने से इनकार किया तो उसने अपना आधार कार्ड दिखाया, जो अलग था। नर्सिंग काउंसिल को सूचना देने के बाद छात्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पूरा मामला शुक्रवार दोपहर शासकीय नर्सिंग कॉलेज का है। मामले में रोहित राज के खिलाफ केस दर्ज किया गया। वह अपने रिश्तेदार जितेंद्र कुमार की जगह परीक्षा देने पहुंचा था, जो कि बिहार का रहने वाला है। प्रिंसिपल अंगूरी सिंह ने बताया कि जनरल नर्सिंग का पेपर दोपहर 2 से 5 बजे तक था। प्रिंसिपल अंगूरी सिंह के मुताबिक छात्र बारिश के कारण जल्दी में भागते हुए आया। इस दौरान टीचर ने उसे एडमिट कार्ड देखकर परीक्षा हॉल में बैठने दिया। बाद में जब उससे आधार कार्ड मांगा तो वह बहाने बनाने लगा। जब उसे बोला कि एडमिट कार्ड पर लगे फोटो का चेहरा तुमसे नहीं मिल रहा है। तुम्हें आधार कार्ड दिखाना होगा, नहीं तो परीक्षा नहीं दे पाओगे। इसके बाद छात्र ने अपना ओरिजिनल आधार कार्ड दिखाया, जिसमें नाम अलग था। फर्जी छात्र ने बताया कि वह अपने रिश्तेदार की जगह परीक्षा देने पहुंचा है। इसके बाद नर्सिंग काउंसिल को सूचना दी गई। काउंसिल के नियमों के तहत परीक्षा नियमों के उल्लंघन का केस भी बनाया और छात्र पर एफआईआर भी दर्ज कराई गई।

वार्ड 83 उपचुनाव : आखिरी दिन आप प्रत्याशी ने वापस लिया नामांकन

इंदौर। इंदौर में 11 सितंबर को होने वाले वार्ड 83 के उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी पारस जैन ने नामांकन वापस ले लिया। शनिवार को नामांकन का आखिरी दिन था। उनके नाम वापसी के बाद 6 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें कांग्रेस के डमी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया है। इस उप चुनाव में भाजपा ने विधायक मालिनी गोड़ समर्थक जीतू राठौर को टिकट दिया है। कांग्रेस से विकास जोशी, संजय मालवीय, पूजा साहनी (बसपा), योगेंद्र मौर्य और विनोद सिंह सूर्यवंशी (निर्दलीय) हैं। अब प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न मिलेंगे। मतदान 11 सितंबर को होगा।

साइबर अपराध पर जागरूकता कार्यक्रम डॉ. कपूर ने दी जानकारी

ऑनलाइन गेमिंग सहित कुछ मोबाइल एप्लिकेशन्स भी धोखाधड़ी का कारण

इंदौर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के निवेदन पर लोकमान्य विद्या निकेतन में 30 अगस्त को स्पेशल एडिशनल डायरेक्टर ऑफ जनरल डॉ. वरुण कपूर का 704 इंटरएक्टिव सेशन हुआ। उन्होंने बताया कि साइबर धोखा अदृश्य है इसलिए यह एक बहुत बड़ी चुनौती है। वास्तविक दुनिया से परे इस काल्पनिक दुनिया में तौर- तरीके अलग हैं, इसलिए किसी अन्य को अपना कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस उपयोग नहीं करने देना चाहिए। साइबर दुनिया में मनोरंजन, संवाद, ई- कॉमर्स जैसे कार्यों के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाए हैं, जो कि अदृश्य खतरों से जुड़ी हैं। डॉ. वरुण कपूर ने कहा कि साइबर अपराध के लिए हम 24 घंटे दरवाजा खुला रखते हैं। इसके लिए किसी भी राष्ट्र की सीमा नहीं है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे अपराध हो रहे हैं, इसलिए सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ साइबर स्पेस का उपयोग करें। जागरूकता ही बचाव की एकमात्र कुंजी है। किसी की डिवाइस या अकाउंट तक अनधिकृत रूप से पहुंचना एक गम्भीर अपराध है। आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में साइबर अपराध के लिए सजा का प्रावधान है। हम अनजान लिंक पर क्लिक करके या किसी भी क्यूआर कोड को स्कैन करके या ओटीपी देकर ऐसे जाल में उलझ जाते हैं । ऐसे अपराध करते हुए अपराधी एक्सपर्ट हो जाते हैं और बड़े अधिकारी भी इनके जाल में फंस जाते हैं। समस्याओं से घिरने पर स्वयं को अपराधी नहीं समझें, बल्कि परिजन और मित्र से अवश्य साझा करना चाहिए। साइबर धोखा होने पर स्वयं के लिए घातक कदम नहीं उठाना चाहिए।

स्क्रीनशॉट को प्रमाण के रूप में बचाकर रखें डॉ. वरुण कपूर ने ऑपरेशन ब्लैक रिबन इनीशिएटिव संकल्प अभियान के तहत सतर्क रहते हुए किसी भय और लॉटरी / नौकरी के लालच से दूर रहने का संदेश दिया। किसी प्रकार की घटना होने पर स्क्रीनशॉट को प्रमाण के रूप में बचाकर रखें । डॉ. कपूर ने समझाया कि स्वयं तो सुरक्षित रहने के साथ ही ऐसे अपराध करने से भी बचें । साइबर स्टॉकिंग में अनजान नंबर से बार- बार कॉल, मैसेज या सोशल मीडिया पर रिक्वेस्ट आते हैं जबकि साइबर बुलिंग तो 24 घंटे साथ रहती है। इस स्थिति में एक भी गलत कदम उठाने से धोखा हो सकता है। मैसेज में आई हाइपरलिंक पर क्लिक नहीं करें, सर्च करने के लिए स्वयं लिंक टाइप करें। पूर्ण ज्ञान एकत्रित करें, जल्दबाजी नहीं करें और किसी पर भी आंखें बंद करके विश्वास नहीं करें।

15 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बेज से सम्मानित किया डॉ. कपूर ने प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले 2 चयनित विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र के साथ ही 15 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बेज से सम्मानित किया। इस अवसर पर लोकमान्य शिक्षा समिति के प्रकाश वैद्य, डॉ. विवेक कापरे, नन्दू कुलकर्णी, स्नेहल जोशी, कपिल धोड़पकर, गिरीश सरवटे विशेष रूप से उपस्थित रहे । लोकमान्य विद्या निकेतन की और टीचिंग स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के पदाधिकारीगण डॉ. अनिल पारे साहब (अध्यक्ष, स्वर्ण जयन्ती समिति, मालवा प्रान्त), ओंकारलाल देवड़ा (उपाध्यक्ष, मालवा प्रान्त), बहादुर सिंह राजपूत (सचिव, मालवा प्रान्त), भारती सावे (उपाध्यक्ष, इन्दौर), गौरव रावत (विधि प्रमुख, इन्दौर) की गरिमामय उपस्थिति में सत्र सम्पन्न हुआ। भूमि कुलकर्णी एवं वंशिका पोफलकर ने संयुक्त रूप से मंच संचालन किया। ग्राहक पंचायत इन्दौर महानगर सहसचिव डॉ. शशिकला चौधरी ने आभार व्यक्त किया । इस सत्र में 251 विद्यार्थी एवं 42 शिक्षकगण लाभान्वित हुए।

विजयपुर उपचुनाव में सीताराम आदिवासी
पर दांव लगा सकती है कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में विजयपुर विधानसभा में होने वाला उपचुनाव बेहद रोचक होने की संभावना है। यहां से वर्ष 2023 में कांग्रेस की टिकट पर विधायक बने रामनिवास रावत के त्यागपत्र देने और भाजपा में शामिल के कारण उपचुनाव हो रहा है। रावत को भाजपा ने मोहन कैबिनेट में मंत्री भी बनाया है। रावत ही उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी होंगे। यही वजह है कि कांग्रेस यहां आदिवासी प्रत्याशी देना चाहती है ताकि आदिवासी बहुल वोटों का उसे लाभ मिल सके। सीताराम ने ही वर्ष 2018 में भाजपा की टिकट पर रामनिवास रावत को हराया था लेकिन भाजपा ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में सीताराम आदिवासी की टिकट काटकर बाबूलाल मेवरा को दे दी थी। कांग्रेस एक अन्य आदिवासी प्रत्याशी के नाम पर भी विचार कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में विजयपुर से निर्दलीय प्रत्याशी रहे मुकेश मलहोत्रा ने 44,128 वोट लिए थे। कांग्रेस का गणित आदिवासी वोटों को एकजुट रखकर भाजपा को मात देना है।

जयवर्धन सिंह हैं कांग्रेस के चुनाव प्रभारी

कांग्रेस विजयपुर उपचुनाव में भाजपा की घेराबंदी की तैयारी कर रही है। पार्टी ने इसके लिए पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह को प्रभारी बनाया है। जयवर्धन कहते हैं कि फिलहाल प्रत्याशी के मुद्दे पर निर्णय नहीं किया है। सितंबर में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में जनसभा करेंगे। हमारे साथी नीटू सिकरवार के साथ कार्यकताओं की बैठक ले रहे हैं।

अलग ही है ग्वालियर- चंबल की राजनीति

ग्वालियर- चंबल की राजनीति हमेशा से ही दिलचस्प रही है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार बनी तो भी कांग्रेस के कारण बनी थी। वर्ष 2020 में कांग्रेस की कमल नाथ सरकार गिरी तो भी उसमें ग्वालियर- चंबल क्षेत्र का ही महत्वपूर्ण योगदान था। इसी क्षेत्र के अधिकांश कांग्रेस विधायकों ने त्यागपत्र देकर मध्य प्रदेश की राजनीति में बड़ा परिवर्तन लाया था। प्रदेश में 28 उपचुनाव हुए तो भी यही क्षेत्र था, जिसने भाजपा की शिवराज सरकार को बहुमत में लाया। अब एकबार फिर यहा उपचुनाव होने जा रहा है।

विजयपुर से भाजपा के दो पूर्व विधायक बन रहे चुनौती

रामनिवास रावत से पहले कांग्रेस छोड़कर आए कमलेश शाह को भी अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने चुनाव लड़ाया था। हालांकि इस उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रावत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। यहां भाजपा के दो-दो पूर्व विधायक हैं। दोनों ने ही चुनाव लड़ने की इच्छा से पार्टी को अवगत करा दिया है। सीताराम आदिवासी के बगावती सूरों से भाजपा वाकिफ भी है। वहीं बाबूलाल मेवरा भी रावत की उम्मीदवारी का विरोध कर रहे हैं। यदि यही हाल रहा तो उपचुनाव में भाजपा की मुश्किलें और भी बढ़ जाएंगी।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को विजयपुर से मिली बढ़त मिली

मुरैना-श्योपुर लोकसभा सीट में कुल आठ विधानसभा आती हैं, जिनमें से पांच विधानसभाओं श्योपुर, जौरा, मुरैना और अंबाह में कांग्रेस के विधायक हैं, पांचवी सीट विजयपुर (रिक्त) भी पिछले चुनाव में कांग्रेस ने ही जीती थी। ईधर, भाजपा के पास तीन विधानसभा सबलगढ़, सुमावली और दिमनी विधानसभा हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में इसके उलट परिणाम आए हैं। आठ में से पांच विधानसभा श्योपुर, विजयपुर, अंबाह, दिमनी और सुमावली में भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है। इन पांच विधानसभाओं में से जीत का सबसे बड़ा अंतर विजयपुर विधानसभा में 35612 वोट का रहा। इसी पर भाजपा की उम्मीद टिकी हुई है।

सीताराम आदिवासी भाजपा के नेता हैं

कांग्रेस के पास चुनाव लड़वाने लायक कोई दमदार प्रत्याशी नहीं है इसलिए भाजपा नेताओं के बारे में बात कर रही है। सीताराम आदिवासी भाजपा के निष्ठावान नेता हैं, वे भाजपा में हैं और भाजपा में ही रहेंगे। - रजनीश अग्रवाल, प्रदेश मंत्री भाजपा

न्यू मार्केट बनेगा नो-हॉकर्स जोन

दुकानों पर कराया जाएगा
गुलाबी रंग, निखरेगी पहचान

भोपाल। आगामी समय में न्यू मार्केट का स्वरूप बदलेगा। यहां पर नो-हॉकर्स कार्नर बनाया जाएगा। सभी 1300 दुकानों पर गुलाबी रंग किया जाएगा। पिंक पार्किंग फिर से शुरू की जाएगी। इतना ही नहीं, 50 वर्ष पुराने आवांटियों पर नए अधिनियम लागू नहीं किए जाएंगे। यह निर्णय शुक्रवार को न्यू मार्केट क्वालिटी रेस्टोरेंट में न्यू मार्केट व्यापार सरंक्षण समिति, नगर निगम, जिला प्रशासन की संयुक्त बैठक में लिया गया।

न्यू मार्केट के व्यापारी सतीश गंगराड़े, अजय देवनानी सति अन्य व्यापारियों ने दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, नगर निगम अपर आयुक्त टीना यादव से कहा कि न्यू मार्केट में अस्थाई विभिन्न वस्तुओं की दुकानों से अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। दोपहिया वाहन प्रवेश कर रहे हैं। इससे पैदल आवाजाही करने वाले ग्राहकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गणेशोत्सव शुरू होने वाला है। फिर नवरात्र, दशहरा, दीपावली पर्व आएंगे। ऐसे में हर दिन ग्राहकों की संख्या 50 से 60 हजार तक पहुंच जाएगी। इस पर कलेक्टर कौशलेंद्र ने कहा कि व्यापारी स्वप्रेरणा से अपनी दुकानों पर गुलाबी रंग पुतवाएं। इससे न्यू मार्केट का सौंदर्य बढ़ेगा। इस पर व्यापारियों ने ने सहमति जताई। नो-हॉकर्स जोन करने के लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। नगर निगम की अपर आयुक्त टीना यादव ने पिंक पार्किंग फिर से शुरू कराने, चारों तरफ पार्किंग व्यवस्था फिर से करने और त्योहारों के समय अलग से पार्किंग स्थलों की व्यवस्था कराने के लिए कार्रवाई करने की बात कही। इसके लिए व्यापरियों की सहयोग भी मांगा। बैठक में विधायक विधायक सबनानी ने नगर निगम व जिला प्रशासन के अधिकारियों को त्योहर शुरू होने से पहले व्यवस्थाएं करने का सुझाव दिया। बैठक में न्यू मार्केट व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष संजय वलेचा, सचिव अजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

राजधानी के सीएम राइज स्कूलों से दो साल
बाद भी नहीं हटाए गए अचयनित शिक्षक

भोपाल। दो साल पहले सीएम राइज स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना परीक्षा आयोजित कराकर की गई। इसमें जो शिक्षक परीक्षा में शामिल नहीं हुए थे उन्हें दूसरे स्कूलों में स्थानांतरण किया जाना था, लेकिन अब तक अचयनित शिक्षकों को नहीं हटाया गया। ऐसे में अचयनित शिक्षक स्कूलों में खाली बैठे रहते हैं और कई जगहों पर विवाद जैसी स्थिति भी बन रही है। इससे प्राचार्य परेशान हो रहे हैं। राजधानी स्थित सीएम राइज स्कूल बरखेड़ी में 60 शिक्षक पदस्थ हैं। इसमें से नौ शिक्षक अचयनित हैं, जो परीक्षा में शामिल नहीं हुए थे।

अब तक इन शिक्षकों को अन्य स्कूलों में पदस्थ नहीं किया गया। इसमें से छह शिक्षक उर्दू विषय के हैं। ऐसे में इनके पास पढ़ाने के लिए कक्षाएं भी नहीं बचती हैं। ऐसी ही स्थिति राजधानी के अन्य सीएम राइज स्कूलों का भी है। यहां के अचयनित शिक्षकों को अब तक स्कूल शिक्षा विभाग ने नहीं हटाया। सीएम राइज स्कूल कमला नेहरू में शिक्षकों की संख्या 45 है। इसमें अचयनित शिक्षकों की संख्या पांच है। वहीं महात्मा गांधी सीएम राइज स्कूल में शिक्षकों की संख्या 38 हैं। इसमें दो अचयनित शिक्षक हैं।हालांकि इस स्कूल में कुछ दिन पहले अचयनित शिक्षकों के बीच विवाद के मामले सामने आए थे। वहीं सीएम राइज स्कूल बर्रई में शिक्षकों की संख्या 22 है। यहां पर नौ पद रिक्त है। सीएम राइज स्कूल निशातपुरा में 31 शिक्षक हैं। इनमें से एक अचयनित शिक्षक हैं। यहां भी शिक्षकों के करीब 15 पद खाली है।

निजी अस्पताल में भीड़ का हंगामा, तोड़फोड़, डॉक्टर व अन्य स्टाफ ने खुद को कमरे में बंद कर बचाई जान

भोपाल। गोविंदपुरा के भारती निकेतन के पास पौने आठ बजे के करीब एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार विकास नगर निवासी 20 वर्षीय मोनू उर्फ राकेश चौधरी बुरी तरह घायल हो गया। स्वजन व अन्य लोग उसे गौतम नगर में स्थित सिटी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इससे युवक को लेकर आए लोग आक्रोशित हो गए और युवक के इलाज में देरी का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर हंगामा, तोड़फोड़ कर दी। अस्पताल के डॉक्टर समेत स्टाफ ने कमरे में अपने आप को बंद कर जान बचाई। इस दौरान अस्पताल के संचालक के रिश्तेदार ने भीड़ को रोकने के लिए उन पर रिवॉल्वर भी तान दी। हंगामा कर रहे लोगों का कहना था कि युवक को घायल होने के बाद उसे भर्ती करने से पहले उसके स्वजनों से फीस मांगी, इस कारण से इलाज में देरी से मौत हो गई।

भोपाल से पुणे व लखनऊ के लिए
जल्द मिल सकती है वंदे भारत

भोपाल। भोपाल मंडल से 10 ट्रेनों की मांग की गई थी। इसमें से एक ट्रेन भोपाल से रीवा शुरू हो गई है। वही, वंदे भारत ट्रेनों के सफल संचालन के बाद रेलवे जल्द ही पश्चिम-मध्य रेलवे में वंदे भारत ट्रेन उपलब्ध कराने जा रहा है। यह वंदे भारत एक्सप्रेस का एडवांस्ड वर्जन रहेगा। भोपाल मंडल में वंदे भारत भोपाल से पुणे के बीच चल सकती है। साथ ही भोपाल से लखनऊ का सफर आसान और आरामदायक होने वाला है। दिवाली के बाद भोपाल से लखनऊ के लिए भी वंदे भारत ट्रेन शुरू हो सकती है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल से पुणे और लखनऊ के लिए लंबे समय ट्रेनों की मांग की जा रही है। वर्तमान में भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन से पुणे के लिए हमसफर एक्सप्रेस चल रही है। ऐसे में पुणे के लिए वंदे

भारत ट्रेन की सौगात मिलने की उम्मीद है। इसे लेकर बोर्ड तैयारियां कर रहा है। जल्द ही भोपाल रेल मंडल के रेल यात्रियों को यह सुविधा मिलेगी।

रेलवे बोर्ड ने सभी जोन को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन देने की घोषणा पूर्व में की थी। वंदे भारत ट्रेन 22 कोच के साथ अधिकतम गति 130 किमी प्रतिघंटा हो सकती है। इसमें 8 जनरल कोच, 12 सेकंड क्लास टियर स्लीपर समेत कुल 22 कोच मौजूद रहेंगे। इस ट्रेन में सीसीटीवी कैमरे, माडर्न टायलेट सेंसर वाटर टैप अनाउंसमेंट की सुविधा रहेगी।

नदियों की पवित्रता बनाये रखने में मदद करेंगे मिट्टी के गणेश

भोपाल। माटी गणेश नहीं सिर्फ नारा , पर्यावरण बचाने जुड़ा संदेश इसमें सारा, माटी गणेश जी को विराजकर निभायें जलसंरक्षण की जिम्मेदारी...कुछ इसी तरह के ध्येय वाक्यों के साथ नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने स्कूली विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाना सिखाया। इसके साथ ही सारिका ने भारतीय पूजा पद्धति में पर्यावरण संरक्षण की प्राचीन परंपरा को भी बताया। सारिका ने बताया कि भारतीय पूजा पद्धति में प्राकृतिक वस्तुओं की पूजन के बाद विसर्जित करने की परम्परा है । प्राचीनकाल से ही मिट्टी की मूर्ति बनाकर पूजा करने और उनको विसर्जित किया जाता रहा है । वर्तमान में जहरीले रसायन एवं अघुलनशील पदार्थो से प्रतिमाएं बनाना आरंभ हुआ है जो कि जल पर्यावरण के लिये नुकसानदायक है। इसे देखते हुये मध्यप्रदेश शासन एवं एप्को के द्वारा चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत गणेशोत्सव में मिट्टी की मूर्ति को अपनाने के लिए मिट्टी के गणेश की प्रतिमा बनाना सिखाया और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। सारिका ने स्कूली विद्यार्थियों को प्रकृति की रक्षा के लिए मिट्टी की ही प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण देते हुये गीत के माध्यम से मिट्टी की पर्यावरण मित्रता का संदेश दिया । इसमें प्लास्टर ऑफ पेरिस की जल में लंबे समय तक अघुलनशीलता तथा जहरीले रंगों के जलीय जीवों पर होने वाले नुकसान को भी बताया । सारिका ने कहा कि इसे सिर्फ एक नारे के रूप में न लें बल्कि इसे अपनाकर ईश्वर के बनाये प्रकृति और पर्यावरण को बचाने में अपना व्यक्तिगत योगदान दें ।

229वीं पुण्यतिथि पर विशेषः भारतीय नारी की संकल्प शक्ति लोकमाता अहिल्या बाई

पुण्य भूमि भारत ने सदैव यहां की प्राचीन संस्कृति की परंपराओं में संस्कारवान व्यक्तित्व को जन्म दिया है। संघर्षों के रण में शौर्यता का प्रमाण हो या त्याग और बलिदान की पृष्ठ भूमि पर अटल अविचल खड़ी संस्कारों की शक्ति को विश्व को समय समय पर परिचय मिला है। ईश्वरीय भक्ति के उदाहरण मानवता को प्रेरणा देते हुए समाज में आज भी प्रासंगिक बने हुए हैं। हमारे प्राचीन धर्म ग्रंथों की शिक्षा ने केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति ही नहीं समाज के विभिन्न विषयों की समस्याओं में समाधान दिया अपितु जीवनयापन की कला सिखाई। संस्कारों की विरासत केवल पुरुष प्रधानता के कारण ही नहीं अपितु भारतीय नारी शक्ति की संकल्प सिद्धता से कई परमपराएं संरक्षित हुई है। ऐसे ही ऊर्जामयी दिव्य संस्कार का नाम न्यायप्रिय लोकमाता देवी श्री अहिल्याबाई होलकर है। महाराष्ट्र के अहमदनगर अंतर्गत ग्राम चौंडी में किसान परिवार के श्री माणको जी शिंदे की पुत्री के रूप में देवी अहिल्या बाई का जन्म हुआ। माता सुशीलाबाई के धर्मपरायण संस्कार जन्म से ही अहिल्या के साथ जीवन में आ गए। पारिवारिक संस्कारों के साथ साथ बड़ी होती गयी अहिल्या को शिव भक्ति में लीन रहना पसंद था। पूजा पाठ उनके बाल्यकाल से नित दिनचर्या का प्रमुख हिस्सा रहा। माता द्वारा सत्संग में सुनी जाने वाली कथाओं का श्रवण करना एवं उस पर अपनी जिज्ञासा से प्रश्न करना उनकी रुचि बन गयी। भक्ति में लीन रहना बाल

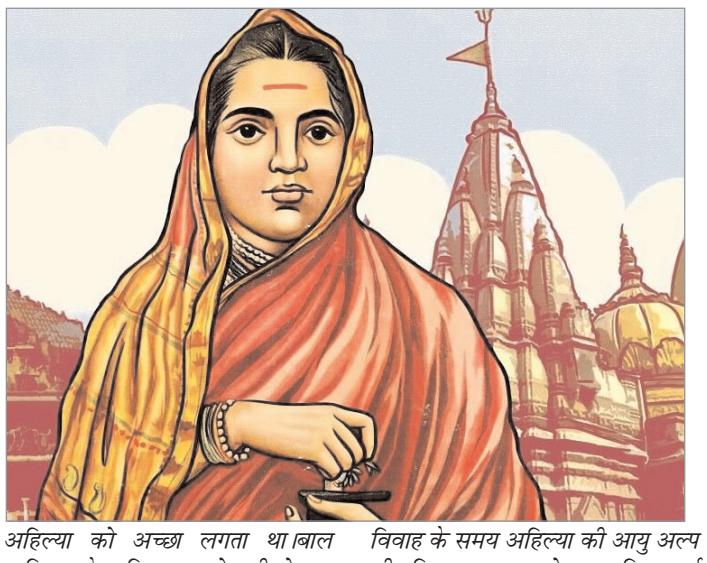

अहिल्या को अच्छा लगता था।बाल अहिल्या के भक्ति पक्ष को यही से बल मिला।

शिक्षा के प्रति उनका भाव पक्ष सर्वविदित है। शिक्षा पर पुरुष के साथ साथ महिलाओं का भी पूरा अधिकार है। यह धारणा अहिल्या के शिक्षा के अभिरुचि दशार्ती है। शास्त्र भाषा ज्ञान बाल्यकाल से रुचिकर रहा। मराठा साम्राज्य वीर बाजीराव पेशवा के सूबेदार वीर शासक मल्हार राव होलकर की वीरता की चर्चा संपूर्ण देश में हो रही थी। वह एक कुशल रणनीतिकार एवं संगठन थे। अपने शासनकाल में उन्होंने मालवा निमाड़ अंचल से पंजाब तक अपने साम्राज्य का विस्तार किया। ऐसे वीर शासक महाराजा मल्हार राव होलकर के पुत्र युवराज खंडेराव होलकर से अहिल्या का विवाह संपन्न हुआ। विवाह के समय अहिल्या की आयु अल्प थी। विवाह पश्चात महेश्वर अहिल्याबाई आयी।

अहिल्याबाई से पुत्र मालेराव एवं पुत्री मुक्ताबाई हुई। महाराजा मल्हार राव होलकर एवँ सास गौतमाबाई ने अपनी बहु की प्रतिभा को समझ लिया था। इसीलिये अहिल्या को विद्या के साथ साथ शस्त्र, भंडार गृह, लेखाजोखा को भी सिखाया गया। आहिल्या राज दरबार मे हो रहे निर्णयों को रुचिपूर्ण हो कर देखती एवं सुनती थी। जिससे उनके ह्रदय में सत्य का पक्ष लेते हुए न्याय करने का संकल्प प्रकटित हुआ। कभी कभी ऐसा भी होता था कि अहिल्या अपने ससुर से राज दरबार मे हुए निर्णयों पर संवाद कर प्रश्नों के पहाड़ खड़ा कर देती थी। अहिल्या के इसी गुण को मल्हारराव होलकर ने आगे बढाया और राज दरबार मे हो रहे निर्णयों पर अहिल्या का सुझाव भी लेने लगे। अहिल्याबाई पति खांडेराव को सदा जीवन में सत्यनीति के आधार पर बढ़ने की प्रेरणा देती रहती थी। विधवा नारियों को लेकर अहिल्या के मन मे बहुत दया एवं उनके उत्थान में प्रयास बनी। विधवा नारी को उसके पति की मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति का अधिकार पत्नी का होगा यह निर्णय अहिल्या का ही था। सती प्रथा का विरोध करने वाली प्रथम महिला शक्ति रही। ऐसे कई निर्णयों की श्रंखला अहिल्या के जीवन की विशेषता है। अपने पति खांडेराव की मृत्यु ने अहिल्या के जीवन को परिवर्तित कर दिया। यह घटनाए मराठा साम्राज्य के लिए अत्यंत दुःख पहुचाने वाली थी। अहिल्याबाई ने सती होने का निर्णय लिया। ससुर मल्हारराव होलकर ने इस निर्णय अस्वीकार किया। नियति को कुछ और ही स्वीकार था। कुछ समय पश्चात मल्हार राव होलकर की भी मृत्यु हो गयी।वह भी ऐसे समय मे जब विश्वसनीयता की कमी एवं षड्यंत्र का चलन राज्यों में संकट के रूप में देखा जाता था। विकट और विषम परिस्तिथीयों में देवी अहिल्या ने राजपाठ सम्भाला। अहिल्या बाई राजमाता तो बनी परन्तु प्रजा की तरह स्वयं को सामान्य जीवन को दशार्ती रही। सिंहासन की जगह राजगादी पर आसन लगाया। प्रथम दिवस ही अहिल्या ने शिव को ही शासक मान कर राजपाठ शिव को अर्पण कर दिया। वह एक शिव भक्त बनकर प्रजापालक बनी। अहिल्याबाई ने हस्ताक्षर ना करते श्री शंकर की सील जीवंत पर्यन्त कार्यों में उपयोग की। राजगादी पर पुरुषों के साथ महिलाओं को बैठने का समान अधिकार अहिल्याबाई ने ही दिया। सर्व समाज एक जाजम पर बैठकर माँ साहेब से चर्चा करता था। उदारता एवं समरसता भरे सेवा के संकल्पित भावों को देखकर प्रजा उन्हें देवी एवं लोकमाता कहकर पुकारने लगे। पीड़ित शोषितजनों के न्याय देती अहिल्या बाई की लोकप्रियता जन जन के साथ राष्ट्र में होने लगी। राजनीति में कुशलहस्त देवी अहिल्याबाई ने महेश्वर को अपनी राजधानी बना कर अपना शासन करा। प्रजा के बीच समानता एवं समरसता के भाव उन्हें अन्य राज घरानों से भिन्न एवं लोकप्रिय बनाते गए। धर्मनीति पर चलकर राजपाठ करने वाली अहिल्याबाई की प्रसिद्धि बढ़ती जा रही थी। देवी अहिल्याबाई ने भारत की यात्रा करी। भारतीय संस्कृति को समर्पित जीवन की यात्रा अहिल्याबाई का जीवन बन गया। ऐसे में अपने राज्य से बाहर निकल कर राष्ट्र प्रजा के हित के लिए अन्य राज्यों में निर्णय लेते हुए तीर्थ स्थानों का निर्माण, मंदिर, घाट, कुँए, बावडिया, सुगम मार्गों का निर्माण करवाती बढ़ती चली गयी। परमार्थ सेवा ही शिव सेवा मूल मंत्र मानकर उन्होंने अन्न क्षेत्र बनवाए। जल संरक्षण में कार्य करते हुए बड़े बड़े कुँए एवं बावडिया बनायी। मंदिर पुजारियों की नियुक्ति, पाठशालाओं, भोजनशाला का निर्माण करवाया। अहिल्याबाई के जीवन के मुख्य कार्यो का आधार धर्म शिक्षा रही। बनारस में काशीविश्वनाथ का मंदिर देवी अहिल्याबाई द्वारा बनवाया गया। चार धाम बारह ज्योतिलिंगों सहित देश के कई प्रदेशों में जनहित कार्यों को स्थापित करा। व्यापार की दृष्टि से दूरगामी विचारों को दृष्टिगत रख कृषि के नव प्रयोगों का विस्तार करा। अर्थ सक्षम बनाने के लिए प्रजा को साड़ी बनाने का कार्य सिखाया। आज देवी अहिल्याबाई के प्रयासों के कारण ही महेश्वरी साड़ियां विश्व प्रसिद्ध है। कई परिवारों को रोजगार मिलता है। नर्मदा के तट पर नोका विहार एवं देवदर्शन के लिए सुंदर घाटों पर मंदिरों की श्रंखला देवी अहिल्याबाई की देन है। मानव सेवा को समर्पित जीवन का सूर्य एक दिन अस्त हो गया। दानशीलता की महान लोकमाता देवी अहिल्या बाई की मृत्यु प्रजा के लिए अत्यंत दुःखद घटना रही। देवी अहिल्याबाई के राष्ट्र एवं समाज के कार्य सदा चिरस्मरणीय रहेंगे। आज भी देवी अहिल्याबाई को धर्म को पुनः स्थापित करती महान शिव भक्त प्रजाजन पालक मान राष्ट्र में उनकी सेवा कार्यों के लिए स्मरण किया जाता है। उत्कृष्ट विचारों एवं संस्कारित आचरण के कारण लोकमाता न्यायप्रिय देवी अहिल्याबाई जन जन में सदैव अमर रहेगी। भारत की साधारण नारी के अदम्य साहस, संस्कार एवं संकल्प शक्ति का नाम देवी अहिल्या बाई है। प्रजा इसीलिए उन्हें लोकमाता न्यायप्रिय देवी श्री अहिल्या बाई के नाम से सम्बोधन कर गर्वित होती है। भारत त्रिशताब्दि वर्ष मना रहा है। आज तिथि अनुसार पुण्य श्लोक न्यायप्रिय देवी श्री अहिल्याबाई होलकर को राष्ट्र नमन करता है।

संपादकीय

जमानत देने में संकोच नहीं करें निचली अदालतें

जमानत के हालिया मामलों में न्यायाधीशों ने कानून की संकीर्णता से उठकर फैसले सुनाए हैं। ये भी बहुत चुनौतीपूर्ण काम हैं। कुछ संदर्भों में सर्वोच्च अदालत ने यह नियम स्थापित कर दिया है कि यदि आरोपी ने अपराध की अधिकतम अवधि का आधा समय भी जेल में काट लिया है, तो उसे जमानत पर रिहा कर दिया जाए। बहरहाल जेल बनाम जमानत की यह प्रक्रिया शुरू हुई है, तो उस पर संसद में विचार होना चाहिए, ताकि अंतिम कानून बनाया जा सके।

सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश कई संदर्भों में यह टिप्पणी करते रहे हैं कि न्यायिक सिद्धांत में जेल अपवाद है और जमानत नियम है। धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भी यह सिद्धांत लागू होता है। निचली अदालतों को भी यह ध्यान में रखना चाहिए और जमानत देने में संकोच नहीं करना चाहिए। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने प्रेम प्रकाश बनाम प्रवर्तन निदेशालय के मामले में आरोपी को जमानत दी है। मामला धनशोधन का ही था। गौरतलब है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता को भी सर्वोच्च अदालत ने जमानत पर रिहा किया है। हालांकि सिसोदिया को करीब डेढ़ साल और कविता को पांच महीने जेल में काटने पड़े हैं, जबकि दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इसी केस में जेल में अब भी बंद हैं। मामले का औपचारिक ट्रायल अभी शुरू नहीं हो पाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच पूरी कर आरोप-पत्र अदालत में दाखिल कर दिए हैं, जबकि सीबीआई जांच अभी जारी है। जेल-जमानत वाले न्यायिक सिद्धांत के पीछे सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश औसतन व्यक्ति की मुक्ति के मौलिक और संवैधानिक अधिकार की दलील देते रहे हैं कि महज जांच और पूछताछ के लिए व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में बंद रखना गैर-न्यायिक है। जमानत का प्रावधान भी संवैधानिक नियम है। जेल बनाम जमानत वाले सिद्धांत पर उन दो न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया है, जो भारत के प्रधान न्यायाधीश बनने की कतार में हैं। बीते कुछ समय से जमानत को लेकर सर्वोच्च अदालत की मानसिकता और सोच में बदलाव आया है। यकीनन यह स्वागत-योग्य निर्णय है, क्योंकि मानवीय है। यह बदलाव अपेक्षित और कालातीत भी था और कई मंचों पर विमर्श के जरिए मांग की जा रही थी कि जमानत की प्राथमिकता होनी चाहिए। एक अहम कारण यह भी रहा है कि देश में जितनी जेलें हैं और उनमें कैदियों की क्षमता है, उनसे अधिक कैदियों को जेल में बंद किया जा रहा है। हिरासत वाले आरोपितों को भी जेल में कैद किया जा रहा है, लिहाजा लगातार अनियमितताएं और विसंगतियां उभर कर सामने आ रही हैं। करीब दो साल पहले विजय मदनलाल चौधरी बनाम भारत सरकार के केस में सर्वोच्च अदालत ने धनशोधन निवारण कानून के अत्यंत कड़े प्रावधानों को सही करार दिया था। राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सरकार ने ईडी के अतिरिक्त दुरुपयोग को बढ़ा दिया है, ऐसी शिकायतों और दलीलों के मद्देनजर अदालत ने वह फैसला सुनाया था। दुरुपयोग के डर और शिकायतों को खारिज कर दिया गया था, लिहाजा वह न्यायिक फैसला आज भी देश का कानून है। जिस सिद्धांत की आज चर्चा की जा रही है, उसके बिल्कुल विरोधाभास में यह कानूनी फैसला है। फिर भी शीर्ष अदालत के स्तर पर ही व्याख्याएं और कोशिशें की जा रही हैं कि जेल पर जमानत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जुलाई में शराब घोटाले के संदर्भ में ही केजरीवाल को जमानत देते हुए सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों ने ईडी की व्यापक शक्तियों पर सवाल उठाए थे, जिनके तहत एजेंसी गिरफ्तारियां करती रही है। जमानत के बावजूद केजरीवाल सीबीआई केस में जेल में बंद हैं। हालांकि वह केस भी बड़ी न्यायिक पीठ को सौंप दिया गया है, लेकिन अदालत की पीठ ने टिप्पणियां की थी कि ईडी अपने आप में ही विश्वास कर लेती है और उसी आधार पर किसी को भी गिरफ्तार कर लेती है। व्यक्ति को आरोपी मान लेती है। किसी को भी गिरफ्तार करने से पूर्व लिखित में देना चाहिए कि एजेंसी फलां आधार पर आपको गिरफ्तार करना चाहती है। उस लिखित रिकॉर्ड के आधार पर आरोपी अदालत में उस कथित अवैध गिरफ्तारी को चुनौती दे सकता है। कानून में ये बचाव जरूरी हैं, क्योंकि धनशोधन मामले में जमानत लेना लगभग असंभव बना दिया गया है। जमानत के हालिया मामलों में न्यायाधीशों ने कानून की संकीर्णता से उठकर फैसले सुनाए हैं। ये भी बहुत चुनौतीपूर्ण काम हैं। कुछ संदर्भों में सर्वोच्च अदालत ने यह नियम स्थापित कर दिया है कि यदि आरोपी ने अपराध की अधिकतम अवधि का आधा समय भी जेल में काट लिया है, तो उसे जमानत पर रिहा कर दिया जाए। बहरहाल जेल बनाम जमानत की यह प्रक्रिया शुरू हुई है, तो उस पर संसद में विचार होना चाहिए, ताकि अंतिम कानून बनाया जा सके। कानून बनाते समय सभी संबद्ध पक्षों के साथ विचार-विनिमय होना चाहिए, ताकि कानून बनने के बाद किसी को कोई आपत्ति न रहे।

जम्मू कश्मीर : भारत के पक्ष में एक प्रमाणिक दस्तावेज था वह संविधान

जम्मू-कश्मीर विधानसभा को जमीन और सम्पत्ति के साथ ही अन्य राज्यों की तुलना में अधिक शक्तियां प्राप्त थीं जो कि अब नहीं है। जम्मू और कश्मीर के संविधान में रक्षा, विदेशी मामले, वित्त और संचार को छोड़कर कई मामलों में राज्य को स्वायत्तता देने जैसे विशेष प्रावधान शामिल थे। मतलब यह कि वहां के विधान मंडल को राज्य सूची तथा समवर्ती सूची के अलावा भी कुछ केन्द्रीय विषयों पर कानून बनाने का अधिकार था। अनुच्छेद 35-ए को 1954 में संविधान में शामिल किया गया था। यह प्रावधान जम्मू-कश्मीर के स्थायी निवासियों को सरकारी रोजगार, राज्य में संपत्ति खरीदने और राज्य में रहने के लिए विशेष अधिकार देता था।

लोकतंत्र की बहाली के तौर पर चुनाव प्रक्रिया शुरू तो हो गई है मगर इस बार न तो जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य है और ना ही उसका पुराना संविधान अस्तित्व में हैं। इधर, नवीनतम परिस्थितियों के बावजूद जम्मू-कश्मीर के संविधान की चर्चा अब भी जारी है और भविष्य में भी वह संविधान तब-तब याद आएगा जब-जब पाकिस्तान दुर्भावना से जम्मू-कश्मीर के लोगों के आत्म निर्णय का मुद्दा उठाएगा। वह संविधान उस राज्य के भारत संघ के अभिन्न अंग होने का एक दस्तावेजी प्रमाण भी था।

5 अगस्त 2019 से पहले जम्मू और कश्मीर में चुनाव वहां अपने संविधान के ढांचे के तहत आयोजित किए गए थे, जिसमें अपने स्वयं के कानून, नियम और चुनावी प्रावधान थे। राज्य की विधायी संरचना अद्वितीय थी, जिसमें एक विधानसभा और एक विधान परिषद शामिल थी। राज्य का अपना सदर-ए-रियासत था, और विधानसभा के पास स्थानीय शासन और प्रशासन में महत्वपूर्ण शक्तियां थीं। लेकिन अब पहली बार राज्य में भारत संघ के संविधान के अनुसार चुनाव होने जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के संविधान में भाग छह की धारा-46 से लेकर 92 तक विधानमंडल से संबंधित समस्त प्रावधानों का उल्लेख था। इसकी धारा 46 में ही विधानमंडल के दो सदनों का उल्लेख है जिसमें 100 सदस्यीय विधानसभा और 36 सदस्यीय विधान परिषद शामिल थी। संविधान में विधानपरिषद का 6 साल का कार्यकाल प्रावधानित था।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा को जमीन और सम्पत्ति के साथ ही अन्य राज्यों की तुलना में अधिक शक्तियां प्राप्त थीं जो कि अब नहीं है। जम्मू और कश्मीर के संविधान में रक्षा, विदेशी मामले, वित्त और संचार को छोड़कर कई मामलों में राज्य को स्वायत्तता देने जैसे विशेष प्रावधान शामिल थे। मतलब यह कि वहां के विधान मंडल को राज्य सूची तथा समवर्ती सूची के अलावा भी कुछ केन्द्रीय विषयों पर कानून बनाने का अधिकार था। अनुच्छेद 35-ए को 1954 में संविधान में शामिल किया गया था। यह प्रावधान जम्मू-कश्मीर के स्थायी निवासियों को सरकारी रोजगार, राज्य में संपत्ति खरीदने और राज्य में रहने के लिए विशेष अधिकार देता था। जम्मू-कश्मीर का संविधान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को भी अपना अभिन्न अंग मानता था। उस संविधान के अनुसार जम्मू एवं कश्मीर राज्य में वह क्षेत्र शामिल है जो 15 अगस्त, 1947 के शासन के अंतर्गत था। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि इस राज्य के अधीन पाक अधिकृत क्षेत्र भी आता है। उस संविधान के भाग 6 की धारा 48 के तहत पाक अधिकृत कश्मीर के लिए विधानसभा की 25 सीटें रखी गईं थी इस धारा में कहा गया था कि उस क्षेत्र पर जब तक पाकिस्तान का कब्जा नहीं हट जाता और वहां के नागरिक अपना प्रतिनिधि नहीं चुन लेते तब तक उनके हिस्से की 25 सीटें खाली रहेंगी। और उन्हें विधानसभा की कुल सदस्यता की गणना में नहीं लिया जाएगा और उक्त क्षेत्र को धारा 47 के अधीन प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन में शामिल नहीं किया जाएगा। इसके अलावा चुनाव में महिलाओं का उचित प्रतिनिधित्व न हो पाने पर राज्य प्रमुख को दो सीटों पर महिलाओं को नामित करने का अधिकार भी था।

जम्मू-कश्मीर का संविधान अब अतीत के गर्भ में चला गया लेकिन उसकी उपयोगिता पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। जब भी पाकिस्तान इस प्रदेश के लोगों के आत्म निर्णय का मुद्दा उठाएगा तब इसी भूतपूर्व संविधान के हवाले से पाकिस्तान को जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तान इस रियासत के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाता रहा है। इस मुद्दे को लेकर सुयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का 91 वां संकल्प भी आया। इसके जवाब में जम्मू और कश्मीर के संविधान ने अपने स्वयं के संवैधानिक ढांचे के माध्यम से भारत के साथ अपने संबंधों को परिभाषित करके, राज्य के भारत में अंतिम विलय और भारतीय संघ के भीतर इसके अभिन्न अंग होने पर जोर देकर ऐसे दावों का मुकाबला किया था।

पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का अभिन्न मानता था वह संविधान

संविधान सभा के 1954 के प्रस्ताव के बाद जम्मू और कश्मीर के संविधान में धारा 3 को शामिल किया गया, जिसमें लिखा है- जम्मू और कश्मीर राज्य भारत संघ का अभिन्न अंग है और रहेगा। चूंकि जम्मू कश्मीर के लोगों द्वारा विधिवत् निर्वाचित संविधान सभा 26 अक्टूबर 1947 को भारत संघ में विलय को कानूनी रूप से वैध, संवैधानिक रूप से बाध्यकारी और अपरिवर्तनीय मान चुकी थी इसलिए पाकिस्तान द्वारा बार-बार जनमत संग्रह और आत्म निर्णय की मांग की हवा वैसे ही खिसक चुकी थी। राज्य नेतृत्व और भारत सरकार के बीच 1950 के दिल्ली समझौते के बाद 1951 में संविधान सभा का गठन किया गया था। इस समझौते ने राज्य के भारत में विलय की शर्तों को रेखांकित किया और जम्मू और कश्मीर के लिए संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए एक संविधान सभा की स्थापना का प्रावधान किया। सितम्बर-अक्टूबर 1951 में जम्मू एवं कश्मीर की संविधान सभा का निर्वाचन राज्य के भविष्य के संविधान के निर्माण के लिए तथा भारत के साथ सम्बन्ध स्पष्ट करने के लिए किया गया था। रियासत की संविधानसभा के अध्यक्ष जस्टिस मेहरचन्द महाजन थाम और इसके 75 सदस्य थे जो कि अपने-अपने क्षेत्रों से वुने गए थे। संविधान सभा की पहली बैठक 31 अक्टूबर 1951 को हुई थी। जम्मू एवं कश्मीर के संविधान को बनने में कुल 5 वर्ष का समय लगा। 17 नवम्बर, 1957 को जम्मू एवं कश्मीर का संविधान अंगीकार किया गया तथा 26 जनवरी, 1957 को प्रभाव में आया था। 2002 तक, संविधान में 29 संशोधन किए गए थे।

जीवन का उद्देश्य ढूंढें, नहीं तो बिल चुकाते रहेंगे, बाजार की लालची संस्कृति सहजता पर हावी है

एक दशक पहले दुनिया जोस मुजिका की दीवानी थी। वह उरुग्वे के मिलनसार राष्ट्रपति थे, जिन्होंने राष्ट्रपति भवन को त्यागकर अपनी पत्नी और तीन पैरों वाले कुत्ते के साथ टीन की छत वाले एक छोटे से घर में रहना शुरू कर दिया था। उन्होंने अपने जीवन की ऐसी अनगिनत कहानियां साझा कीं, जिस पर फिल्म बन सकती है। वामपंथी शहरी गुरिल्ला के रूप में उन्होंने बैंक लूटा था और 15 साल तक जेल में रहे और जमीन के एक छोटे से छेद में रहने वाले मेंढक से दोस्ती की। इन कहानियों से परे उन्होंने अपने छोटे से दक्षिण अमेरिकी देश को दुनिया के सबसे स्वस्थ और सामाजिक रूप से सबसे उदार लोकतंत्रों में से एक बनाया। लेकिन उनकी विरासत उनके जीवन के रंगीन इतिहास और मितव्ययिता के प्रति प्रतिबद्धता से ज्यादा है। बेहतर समाज और खुशहाल जीवन को लेकर उनके विचार ने उन्हें लैटिन अमेरिका के सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण व्यक्तियों में से एक बना दिया। अब वह मौत से लड़ रहे हैं। अप्रैल में उन्होंने घोषणा की कि वह ग्रासनली में हुए ट्यूमर की विकिरण चिकित्सा करवाएंगे। पिछले हफ्ते जब मैं उरुग्वे की राजधानी मोंटेवीडियो के बाहरी इलाके में उनसे मिलने गया, तो देखा कि बीमारी ने उन्हें बहुत कमजोर बना दिया है और वह मुश्किल से खा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तुम एक विचित्र बूढ़े से बात करने आए हो, आज की दुनिया के लिए मैं बिल्कुल फिट नहीं हूं। मानवता जिस तरह चल रही है, उससे लगता है कि सब नष्ट हो चुका है। उरुग्वे में 35 लाख लोग रहते हैं, जबकि देश 27 लाख जोड़ी जूते का आयात करता है। हम कचरा पैदा करते हैं और जीवन का कीमती समय इच्छाओं की पूर्ति में बिताते हैं। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं और बाजार हम पर हावी हो गया है। इसने एक अचेतन संस्कृति पैदा की है, जो हमारी सहज प्रवृत्ति पर हावी है। हम खरीदारी करने और उसका भुगतान करने के लिए जीते और काम करते हैं। फिर भी वह कहते हैं कि इसके बावजूद जीवन सुंदर है। लेकिन हम इसे खो रहे हैं। मनुष्य अपने जीवन का उद्देश्य तलाश सकता है। लेकिन अगर आप जीवन का उद्देश्य नहीं तलाश पाते हैं, तो बाजार आपको जीवन भर बिलों का भुगतान करने के लिए मजबूर करेगा। अगर जीवन के उद्देश्य को पा लेते हैं, तो आपके पास जीने के लिए कुछ होगा। कुछ ऐसा, जो जीवन को खुशियों से भर दे।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था का नायक और खलनायक, जब पूर्व राष्ट्रपतियों ने केंद्रीय बैंक को मार दिया

अगस्त की शुरुआत में जब दुनिया में मंदी का हल्ला हुआ, शेयर बाजार नई गर्त में जा धंसे, तो इस मुसीबत का खलनायक किसे माना गया? वही अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व। अमेरिका के शेयर कारोबारी अब फेडरल रिजर्व को रह-रहकर कोसते हैं। बार-बार शेयर बाजार गिराकर वे यह साबित करना चाहते हैं कि अगर ब्याज दरें नहीं घटीं, तो मंदी आई समझो।

अमेरिका में चुनाव का मौसम है, गिरते बाजार और मंदी की खबरें सरकारों को नहीं सुहातीं। फेडरल रिजर्व अमेरिकी अर्थव्यवस्था का पुराना नायक भी है और खलनायक भी। पूंजीवाद की महापीठ अमेरिका में महंगी पूंजी यानी ऊंची ब्याज दर को बिसूरने वाले बहुतेरे हैं। कोविड के बाद महंगाई बढ़ी, तो फेडरल रिजर्व ने कर्ज महंगा किया। बाजार में कम पूंजी आई और यह दवा चाटकर महंगाई का बढ़ना रुक गया। अलबत्ता महंगाई गई नहीं। फेडरल रिजर्व सख्त है। उसकी सख्ती कुछ इस कदर बढ़ी है कि अमेरिकियों को लग रहा है कि फेडरल रिजर्व मंदी बुलाकर ही मानेगा। अमेरिकी सियासत का अतीत फेडरल रिजर्व को लेकर बड़ा ही रोमांचक रहा है। अगर आपको लगता है कि अमेरिकी सियासत में सबसे ज्यादा विवादित नेता डोनाल्ड ट्रंप हैं, तो आइए बैठिए टाइम मशीन में, हम आपको मिलवाते हैं ऐसे राष्ट्रपतियों

से, जिन्होंने केंद्रीय बैंक को मार दिया। यह 1836 का अमेरिका है। हम सीधे वाशिंगटन पहुंचे हैं। खबर है कि सातवें राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन ने बैंक ऑफ यूनाइटेड स्टेट्स की कानूनी मान्यता बढ़ाने यानी रि-चार्टर के प्रस्ताव पर वीटो ठोक दिया...और अमेरिका का केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व का पूर्वज बंद (1836) कर दिया गया। हम जिस दौर में हैं, अमेरिका के सातवें राष्ट्रपति एंड्रयू जैक्सन और तीसरे राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन लोगों के नूरे-नजर हैं। ये दोनों राष्ट्रपति केंद्रीय बैंकों के जानी दुश्मन हैं। इन्होंने तय कर दिया कि आगे अमेरिका में कोई केंद्रीय बैंक नहीं होगा। अलबत्ता वक्त इनसे ज्यादा ताकतवर निकलेगा। आइए, हम थोड़ा और पीछे चलते हैं। टाइम मशीन हमें उस काल खंड में ले आई है, जहां अमेरिकी आजादी की लड़ाई खत्म हो गई है। आजादी की लड़ाई ने अमेरिका को आर्थिक तौर पर तोड़ दिया है। अमेरिकी संविधान को मंजूरी (1789) मिल गई है। पहले वित्तमंत्री अलेक्जेंडर हैमिल्टन देश में कर्ज और पूंजी की समस्या दूर करने के लिए फेडरल बैंकिंग का प्रस्ताव लेकर आए हैं। अमेरिकी कारोबारियों के बीच बहस जारी है। हैमिल्टन की तैयारी एक ऐसा बैंक बनाने की है, जो ब्रिटेन की उपनिवेशवादी मौद्रिक प्रणाली समाप्त कर नेशनल करेंसी लागू करेगा। अमेरिकी मुद्रा डॉलर होने वाली है। सियासत गर्म है। अमेरिका के पश्चिम हिस्से के कारोबारी इस बैंक का विरोध कर रहे हैं। राजनीतिज्ञ विभाजित हैं। अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित संस्थापक नेता, आजादी के प्रबल समर्थक और जॉर्ज वाशिंगटन की कैबिनेट में विदेश मंत्री थॉमस जेफरसन ने भी इस केंद्रीय बैंक का विरोध कर दिया है। वह कह रहे हैं कि अमेरिका का संविधान, फेडरल सरकार को बैंक बनाने और मुद्रा जारी करने का अधिकार नहीं देता है। यह काम तो राज्यों को मिलेगा। वह कह रहे हैं, 'केंद्रीय बैंक आम लोगों की आजादियों के लिए किसी हथियारबंद सेना से ज्यादा खतरनाक है।' और यह लीजिए, अमेरिकी कांग्रेस में बखेड़ा हो गया। जेफरसन, जॉर्ज वाशिंगटन सरकार में विदेश मंत्री हैं और हैमिल्टन वित्तमंत्री। हैमल्टिन और जेफरसन के बीच तीखा विवाद हुआ है। अलबत्ता फेडरिलिस्ट पार्टी की मदद से 1791 में अमेरिका के केंद्रीय बैंक का प्रस्ताव मंजूर हो गया। बुरी तरह खफा थॉमस जेफरसन ने (1793) कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है। आगे बढ़ते हैं। यह 19वीं सदी की शुरुआत है। थॉमस जेफरसन व्हाइट हाउस में विराज रहे हैं। केंद्रीय बैंक को वह चलने नहीं देंगे। हैमिल्टन का केंद्रीय बैंक बीस साल तक चला। इसके बाद अमेरिकी संसद ने इसे मंजूरी नहीं दी। अब अमेरिका का केंद्रीय कर्ज और मौद्रिक ढांचा खत्म हो गया। विभिन्न राज्य उपनिवेश युग की तरह मुद्राएं जारी करने लगे हैं। अब हम 19वीं सदी के पहले दशक में हैं। थॉमस जेफरसन का कार्यकाल 1809 में खत्म हो रहा है। केंद्रीय बैंक का विरोध ठंडा पड़ रहा है। अमेरिकी कांग्रेस ने आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए नए बैंक का प्रस्ताव मंजूर (1816) किया। यह अमेरिका का दूसरा केंद्रीय बैंक है। उम्मदराज होगा कि नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह 1836 का दौर है और एंड्रयू जैक्सन राष्ट्रपति बने हैं। अमेरिकी राजनीति में बैंक वार शुरू हो गया है। अखबार चीख रहे हैं कि राष्ट्रपति जैक्सन और बैंक ऑफ यूनाइटेड स्टेट्स के अध्यक्ष निकोलस बिडेल के बीच सीधी लड़ाई हो रही है। राष्ट्रपति जैक्सन केंद्रीय बैंक को भ्रष्टाचार का गढ़ मानते हैं। उन्होंने अपने वीटो का इस्तेमाल कर केंद्रीय बैंक को खत्म कर दिया। अमेरिकी सरकार का पैसा अब केंद्रीय बैंक में नहीं जमा होगा। यह अमेरिका में फ्री बैंकिंग का दौर है। राज्यों में करीब 8,000 बैंक हैं, जो अगले 25 साल तक अपनी करेंसी चलाएंगे। इस बीच अमेरिका में सिविल वार शुरू हो गया है। लड़ते-जूझते अमेरिकियों को लग रहा है कि मुद्राओं की अराजकता अब बंद होनी चाहिए। अब हम 19वीं सदी के मध्य में हैं। अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान (1863) नेशनल बैंकिंग ऐक्ट फिर आया है। इसके जरिये एकल मुद्रा प्रणाली स्थापित हो रही है। अलबत्ता कोई सेंट्रल या फेडरल बैंक नहीं बनाया गया है। नए कानून में अनुमति प्राप्त बैंकों को ही करेंसी जारी करने की छूट दी गई है। मुद्राओं की अराजकता बैंकिंग संकट लेकर आई है। यह बीसवीं सदी की शुरुआत है और विकेंद्रित सरकारी बैंक पूंजी की कमी से डूबने लगे हैं। इन्हें पहचानते हैं आप...यह हैं जॉन पियरपांट मॉर्गन यानी जेपी मॉर्गन। तब के अमेरिका के धनाढ्य बैंकर और फाइनेंसर। अमेरिकी सरकार इनकी शरण में है। इनकी पूंजी से बैंक उबारे जा रहे हैं। मॉर्गन 19वीं सदी के अंत में सोना देकर सरकार को संकट उबार चुके थे। 21वीं सदी में लौट कर आप जेपी मॉर्गन चेज समूह से मिलेंगे, जो पुराने मॉर्गन का उत्तराधिकारी है।

अब हम वापसी की उड़ान पर हैं। अमेरिका में 1907 के बैंकिंग संकट से सबक सीखे जा रहे हैं। सियासत में लंबी चर्चा चली है। 1913 में फेडरल रिजर्व की स्थापना हुई। इसके बाद 1935 में अमेरिकी कांग्रेस बैंकिंग कानून के तहत फेडरल ओपन मार्केट कमेटी बनाएगी, जो 21वीं सदी में पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाली बैंकिंग नीतियां तय करेगी। टाइम मशीन का सफर न्यूयॉर्क में खत्म होगा, जहां शेयर बाजार फेडरल रिजर्व को उसी तरह कोस रहे हैं, जैसे जेफरसन-जैक्सन कोसते थे।

भायला पीजी कालेज की छात्रा सिल्की सैनी ने सहारनपुर यूनिवर्सिटी में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया

पांच अन्य छात्राएं भी श्रेष्ठता सूची में शामिल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर । देवबंद, मां शाकुम्बरी विश्वविद्यालय सहारनपुर की शिक्षा सत्र 2023-24 की परीक्षा में भायला पीजी कालेज, भायला के छह छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए श्रेष्ठता सूची में स्थान प्राप्त कर भायला कालेज और देवबंद क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। कालेज के निदेशक डा. पीएस यादव और प्राचार्य डा. प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि एमएससी बायोकेमिस्ट्री की छात्रा सिल्की सैनी ने विश्वविद्यालय की श्रेष्ठता सूची में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है जिन्हें पांच सितंबर को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल पदक प्रदान करेंगी। यूनिवर्सिटी के कुलपति डा. हृदय

शंकर सिंह ने भायला पीजी कालेज की टापर छात्रा सिल्की सैनी को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। कालेज के प्राचार्य डा. प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि भायला पीजी कालेज की एमएससी कंप्यूटर विज्ञान की छात्रा प्रियांसु पुंडीर को यूनिवर्सिटी में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है और इसी विभाग की नीशू को छठा स्थान मिला है जबकि एमएम गृह विज्ञान की छात्रा पायल ने यूनिवर्सिटी में इस विषय में मेरिट में छठा स्थान प्राप्त किया और एमए समाज शास्त्र की छात्रा शिवांली पुंडीर ने इस विषय में यूनिवर्सिटी में सातवां और निकेता ने दसवां स्थान प्राप्त किया। इन सभी प्रतिभाशाली छात्राओं को कालेज समिति के अध्यक्ष श्याम कुमार, सचिव कंवरपाल सिंह, निदेशक डा. पीएस यादव, प्राचार्य डा. प्रवीण अग्रवाल, सोमपाल सिंह, डा. राजेश कुमार, बृजेश पुंडीर, संगीता रानी, डा. मेनपाल सिंह, सोमपाल सिंह, कुलदीप सिंह, बलराम शर्मा और दिनेश कुमार ने बधाई दी।

वैश्य अग्रवाल समाज नागल की बैठक में समाज को एकजुट करने पर दिया गया बल

महाराजा 1008 श्री अग्रसैन जी की जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
नागल । सहारनपुर, वैश्य अग्रवाल समाज नागल की बैठक में समाज को एकजुट कर मजबूत बनाने पर बल दिया गया, साथ ही प्रतिमाह बैठक करने एवं महाराजा 1008 श्री अग्रसैन जी की जयंती धूमधाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया। वैश्य समाज के युवा वर्ग द्वारा पवन गोयल के प्रतिष्ठान पर आयोजित इस बैठक में सभी वक्ताओं ने अपने समाज, बिरादरी का मजबूत संगठन बनाने की बात रखी। अमित गर्ग ने कहा कि विगत समय में मजबूत संगठन के अभाव में अनेक वैश्य बंधुओं का विभिन्न तरह से उत्पीड़न हुआ है यदि संगठन मजबूत होता तो उत्पीड़न का जवाब बखूबी दिया जा सकता था। मुकेश माहेश्वरी ने कहा कि देर आए दुरुस्त आए जब सभी की इच्छा है तो संगठन को मजबूती से अमल में लाया जाएगा। पवन गोयल ने कहा कि वे अपने समाज बिरादरी के उत्थान के लिए हर तरीके से तैयार हैं। कपिल तायल ने कहा कि बिरादरी के समस्त लोगों को एक-दूसरे का सम्मान करते हुए समाज को मजबूत बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। मोहित गोयल ने कहा कि वैश्य समाज का गौरव पूर्ण इतिहास रहा है हमें उनसे प्रेरणा लेकर अपनी एकजुटता प्रदर्शित करनी चाहिए।

मुकेश बंसल ने कहा कि हमारे समाज के लोग सभी तरह से संपन्न हैं इसके बावजूद वर्तमान परिवेश में हमें सजग व संगठित रहने की जरूरत है। सतीश तायल ने कहा कि अन्य समाजों से प्रेरणा लेकर स्वयं को मजबूत करें। वैश्य समाज नागल के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि विगत वर्षों में समाज के कार्यक्रमों में अपने समाज के लोगों की भूमिका नाम मात्र की रह गई थी। जिसके चलते हम भी कार्यक्रमों को औपचारिक करने लगे थे। लेकिन आज इस बैठक में आपका जोश एवं एकजुट होने का जज्बा जिस तरह से सामने आया है उससे लगता है कि अब हमारा समाज मजबूती से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि समाज का युवा वर्ग आगे आए एवं कंधे से कंधा मिलाकर समाज के कार्यों को गति प्रदान करें। काफी विचार -विमर्श के पश्चात निर्णय लिया गया कि प्रत्येक माह के पहले शनिवार को वैश्य अग्रवाल समाज की बैठक नियमित तौर पर हुआ करेगी। दूसरे महाराजा अग्रसेन जयंती का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इसके लिए आगामी शनिवार को होने वाली बैठक में रूपरेखा तैयार की जाएगी साथ ही युवा वर्ग को भी प्रतिनिधित्व देते हुए समिति का पुनर्गठन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि तुम्हारा जोश समाज को इकट्ठा करने में इसी तरह लगा रहेगा तो हमारा समाज कस्बा ही नहीं पूरे जनपद में सबसे अधिक मजबूत व सशक्त होगा। बैठक में मुख्य रूप से नीतिश गर्ग, विपिन तायल, मोनू तायल, प्रवीण गुप्ता, कैलाश राठी, जॉनी बंसल, आयुष बंसल, अरुण बंसल, सरवन तायल, अजय बंसल, सत्यम गोयल, गौरव गोयल, अक्षय गुप्ता, निशु गुप्ता, नीरज सिंघल, सोनू गुप्ता, राकेश गुप्ता, राहुल गुप्ता, कंवर सेन गुप्ता, टीटू महेश्वरी, नितिन माहेश्वरी, शीलू महेश्वरी, योगेश महेश्वरी, अशोक महेश्वरी, प्रवेश गोयल, श्रेष्ठ तायल, गौरव तायल, कुलदीप सिंघल, पंकज गुप्ता, मनोज गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

डीएम मनीष बंसल ने व्यापार बंधु की बैठक में कहा

व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें निस्तारण, विद्युत अधिकारी संवेदनशील होकर करें कार्य

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर उन्होंने व्यापार बंधुओं द्वारा उठायी जाने वाली समस्याओं से अवगत होने के बाद उसके गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में व्यापारियों द्वारा मुख्यत: उठाए गये मुद्दों में नगर निगम एवं विद्युत विभाग से संबंधित थे। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि अगले माह होने वाली बैठक में संबंधित सभी विभागों के सक्षम अधिकारी उपस्थित रहें। उन्होंने ट्रांसपोर्ट नगर में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को जल्दी से जल्दी ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पुल खुमरान बोमंजी रोड पर बनाई गई सड़क के दूसरी तरफ टाइल्स लगाने के कार्य को कराने के

निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उन्होंने विद्युत विभाग की खराब कार्यशैली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए की आगामी बैठक में जनपद के तीनों अधीक्षण अभियंता उपस्थित रहे। सभी विद्युत अधिकारी संवेदनशील होकर व्यापारियों की समस्याओं का हल करें। ढमोला एवं पांवधोई नदी की सफाई के संबंध में साप्ताहिक कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश नगर निगम को दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर अभिमन्यु मांगलिक, संयुक्त आयुक्त राज्यकर अमित पाठक, उपायुक्त प्रशासन राज्यकर एपी सिंह, शीतल टंडन, नरेश धीमान, आलोक अग्रवाल, हरपाल सिंह वर्मा, नुसरत साबरी सहित अन्य व्यापारी बंधु तथा संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्कूली वैन अनियंत्रित होकर पलटी

हादसे में एक छात्रा गंभीर रूप से घायल, कुछ छात्र-छात्राएं मामूली रूप से हुए चोटिल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के रामपुर मनिहारन क्षेत्र में एक स्कूली वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई जबकि कुछ छात्र-छात्राएं मामूली रूप से चोटिल हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद के रामपुर मनिहारान कोतवाली क्षेत्र के गांव पिलखनी के पास एक स्कूल वैन अनियंत्रित होकर सड़क के एक तरफ राजवाहे मे पलट गई। हादसे में एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि आधा दर्जन से अधिक बच्चों के मामूली चोट आई। अभिभावकों ने वेन ड्राइवर पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी

ली ।विद्या ग्लोबल स्कूल जंधेड़ा समसपुर की वेन सुबह उमरी खुर्द, घाटेहड़ा, पिलखनी के एक दर्जन अधिक बच्चों को लेकर स्कूल आ रही थी। वेन जैसे ही पंहशू पिलखनी के पास पहुंची। वेन अनियंत्रित होकर राजवाहे मे पलट गईं ।बच्चों की चीख पुकार सुनकर खेतों में काम करें ग्रामीण एकत्र हो गए। वेन ड्राइवर व ग्रामीणों ने बच्चों को बड़ी मशक्त के बाद वेन से बाहर निकलना। घायल बच्चो अंतिम पुत्र अमित कुनाल, अंजिल, आरव, देव, सार्थक, ओजस्वी, आयुष, अनायरा, आदि को गांव घटेहड़ा मे निजी चिकित्सा के यहां ले गए, जबकि छात्रा अंतिम पुत्र अमित को परिजन सीएससी रामपुर लाये। जहां से छात्रा को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना पर कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार त्यागी मय फोर्स मौके पर पहुंचे। सूचना पर एकत्रित अभिभावकों ने जमकर हंगामा करते हुए वेन ड्राइवर पर लापरवाही करने का आरोप लगाया। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर अजीत राठी ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मामूली चोट वाले बच्चों को उनके घर पर जाकर जांच की। कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार त्यागी ने बताया कि बच्चों की स्कूल में पलट गई थी। एक छात्रा गंभीर है। बाकी बच्चों के मामूली चोट आई है।

आमाडांड खुली खदान परियोजना के प्रभावित 31 भू-स्वामियों को मंत्री श्री जायसवाल ने प्रदान किए नियुक्ति पत्र

शेष बचे प्रभावित भू-स्वामियों को शीघ्र रोजगार उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ
अनूपपुर, दक्षिण पूर्व कोयला प्रक्षेत्र जमुना कोतमा एरिया के अंतर्गत आमाडांड खुली खदान परियोजना में प्रभावित भू-स्वामियों को रोजगार प्रदान करने के तहत मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री दिलीप जायसवाल ने आज जमुना और कोतमा एरिया के बंकिम बिहार सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 31 भू-स्वामियों को कालरी में नौकरी का नियुक्ति पत्र प्रदान किया इस अवसर पर एसईसीएल जमुना कोतमा एरिया के महाप्रबंधक श्री एच एस मदान, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विपिन कुमार, नायब तहसीलदार श्री संजय जाट, बरतराई सरपंच कुंवर सिंह, आमाडांड सरपंच शंकर सिंह, खोडरी सरपंच समय लाल पाव, सामाजिक कार्यकर्ता श्री प्रेमचंद यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबंधन के अधिकारी, इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार व अन्य जन बड़ी संख्या मे उपस्थित थे इस अवसर पर मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री दिलीप जायसवाल ने प्रभावित भू-स्वामियों को प्राप्त हुए रोजगार के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि सभी पात्र भू-स्वामियों को कालरी में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार उनके द्वारा प्रयास किया जा रहा हैंउन्होंने कालरी प्रबंधन के अधिकारियों को शेष बचे लोगों को शीघ्र कालरी में रोजगार उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए।

अनूपपुर जिला खेल परिसर में आयोजित हुई बैडमिंटन प्रतियोगिता

स्वर्गीय श्री मेजर ध्यानचंद जी हॉकी जादूगर के नाम से मनाया जाता है राष्ट्रीय खेल दिवस : पंकज जायसवाल

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ
अनूपपुर, मध्य प्रदेश शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के दिशा निर्देश में अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली अनूपपुर जिला पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभारी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी जिला अनूपपुर इसरार मंसूरी के मार्गदर्शन में दिनांक 27 अगस्त 2024 से 29 अगस्त 2024 तक जिला खेल परिसर अनूपपुर में बैडमिंटन प्रतियोगिता कराई गई इस प्रतियोगिता का समापन 29 अगस्त 2024 को जिला खेल परिसर बैडमिंटन हॉल अनूपपुर में हुआ, इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पंकज जायसवाल जिला न्यायाधीश जिला अनूपपुर कार्यक्रम के अध्यक्ष जिला वालीबाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ,विशिष्ट अतिथि के रूप में बैडमिंटन खिलाड़ी आशुतोष त्रिपाठी रहे मुख्य एवं मंच पर रामचंद्र यादव जिला खेल प्रशिक्षक एवं दिनेश कुमार सिंह चंदेल विकासखंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग ग्रामीण विभाग केंद्र जैतहरी स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर एवं अजय मंडलोई सहायक ग्रेड एवं खेलन प्रसाद कल एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे मुख्य अतिथि पंकज जायसवाल जिला न्यायाधीश जिला अनूपपुर ने कहा उन्हें हॉकी के जादूगर इसलिए कहा जाता है जब वह खेलने उतरते थे तो गेंद मानो उनकी हॉकी स्टिक से चिपक सी जाती थी वह अपने

जीवन काल में 1000 से अधिक गोल धागे और सन 1956 में उन्हें भारत के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था इस दिन मनाने का उद्देश्य यही है अध्यक्षता कर रहे जिला वालीबाल संघ के अध्यक्ष चैतन्य मिश्रा ने कहा राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने का में उद्देश्य देश में खेलों को प्रोत्साहित करना और खिलाड़ियों को सम्मानित करना एवं मेजर ध्यानचंद जी जो हॉकी के जादूगर हैं उनके कहे अनुसार अनुशासन के साथ खेलना और जो मेजर ध्यानचंद जी की विरासत रही है उसको चिन्हित करके और देश में खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है इसका में मुख्य उद्देश्य यही विशिष्ट अतिथि के रूप में आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि हमें हर तरह उनके जन्मदिन पर यह हमें मनाने का मौका मिलता है उनका जन्म 29 अगस्त 1905 को उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद प्रयागराज में हुआ था कार्यक्रम को सफल बनाने में खेल में सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी मेडल देकर सम्मानित किया गया निर्णायक की भूमिका अशोक यादव के द्वारा किया गया उनको भी ट्रॉफी देकर एवं अतिथियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में खेल एवं युवा कल्याण विभाग से रामचंद्र यादव दिनेश कुमार सिंह चंदेल अजय मंडलोई पूरन सिंह श्याम इत्यादि लोगों का पूर्ण सहयोग रहा कार्यक्रम का भव्य मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन दिनेश कुमार सिंह चंदेल विकासखंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग ग्रामीण युवा केंद्र जैतहरी जिला अनूपपुर स्टेट रेफरी नेशनल ट्रेनर द्वारा किया गया।

अनूपपुर में हुआ सड़क हादसा

इनोवा और मोटरसाइकिल के एक्सीडेंट में युवक की मौत

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ अनूपपुर, यशपाल जाट सिटी चीफ अनुपपुर ब्यूरो शनिवार की दोपहर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 43 में ग्राम पंचायत पोडी के सांधा मोड में मोटरसाइकिल एवं इनोवा वाहन के मध्य भीषण सड़क दुर्घटना में एक युवक की स्थल पर मौत हो गई घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस का मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को जिला चिकित्सालय लाकर कार्रवाही कर रही है वहीं इनोवा वाहन को जप्त कर अपना दर्ज किया गया है ।इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बिजुरी थाना अंतर्गत बिजुरी नगर के वार्ड क्रमांक 7 निवासी राजू पनिका का पिता समयलाल पनिका जो मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 65 क्रू3669 से जा रहे थे तभी सामने से आ रही इनोवा कर सीजी 15 डीसी 3330 के मध्य भीषण एक्सीडेंट में युवक की स्थल पर ही मौत हो गई जिसकी सूचना पर कोतवाली पुलिस घटना स्थल पर पहुंचते हुए मृतक के शव को जिला चिकित्सालय लाकर घटना की जांच कर रही है वहीं इनोवा कर को जप्त कर चालक के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है.

फुनगा चौकी प्रभारी सुमित कौशिक ने पेश किए मानवता की मिसाल

2 घायलों को एंबुलेंस बुलाकर भेजवाया चिकित्सालय

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ । अनूपपुर, पुलिस की मानवता को दर्शाता हुआ एक तस्वीर यह भी है यह तस्वीर पुलिस चौकी फुनगा के प्रभारी सुमित कौशिक की है, जो लोगों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। 31 अगस्त को अनुभाग गस्त के दौरान श्रमिक नगर एन एच 43 में सड़क पर पड़े 2 घायलों को उन्होंने रात के समय एंबुलेंस बुलवाकर अस्पताल पहुंचाया था जहां उसका इलाज चल रहा हैं ।सुमित कौशिक रात के समय जब गस्त कर रहे थे तभी एन एच 43 श्रमिक नगर के समीप दुर्घटनाग्रस्त एक मोटर साइकिल क्रमांक बी आर 27 आर 7988 पर सवार 2 व्यक्ति प्रिंस कुमार निवासी कपिल धारा कालोनी एवं सनी कुमार जोगी कपिल धारा कालोनी बिजुरी गंभीर रूप से घायल मिले जिम्मेदार अधिकारी के नाते उन्होंने रुक कर जब वहां पूछताछ की, तो पता चला दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर पड़े हुए है। उन्होंने उन व्यक्तियों की हालत देखी तो तत्काल एंबुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को अस्पताल भेजवाया जिसकी चहूं ओर चर्चा हो रही है।इस दौरान उपनिरीक्षक सुमित कौशिक मय स्टाफ़ आर अमन दुबे , सै. अंजनी गौतम पुलिस मौजूद रहे।

स्कूली बालक/बालिकाओं को गुड टच बेड टच के सम्बंध में जागरूक किया गया

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ अनूपपुर, कोतमा, जिला अनूपपुर थाना भालूमाडा (म0प्र0) जे ई एम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जमुना में गुड टच- बेड टच, महिला अपराध एवं बालक बालिकाओं से सम्बंधित अपराध के सम्बंध में सेमीनार का आयोजन किया गया, जिन्हें गुड टच एवं बेड टच तथा महिला अपराध के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें बचाव व उक्त गतिविधियां होने पर पुलिस से सहायता प्राप्त करने की समझाईस दी गई। तथा पुलिस के कार्य तथा उनके प्रति त्वरित कार्यवाही करने के बारे में बालक बालिकाओं को बताया गया तथा कोई भी ऐसी घटना होने पर पुलिस को तत्काल सूचना देने हेतु थाने के अधिकारियों के मोबाइल नम्बर व महिला हेल्प लाईन नम्बर 1090 तथा चाईल्ड हेल्प लाईन नम्बर 1098 नम्बर के बारे में बताया गया। उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी भालूमाडा निरीक्षक राकेश उइके के नेतृत्व में उनि0 राघव बागरी,प्र.आर. राजकुमार परस्ते, प्र.आर.संतोष यादव के द्वारा सेमीनार किया गया। को जे ई एम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जमुना में गुड टच- बेड टच, महिला अपराध एवं बालक बालिकाओं से सम्बंधित अपराध के सम्बंध में सेमीनार का आयोजन किया गया, जिन्हें गुड टच एवं बेड टच तथा महिला अपराध के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें बचाव व उक्त गतिविधियां होने पर पुलिस से सहायता प्राप्त करने की समझाईस दी गई। तथा पुलिस के कार्य तथा उनके प्रति त्वरित कार्यवाही करने के बारे में बालक बालिकाओं को बताया गया तथा कोई भी ऐसी घटना होने पर पुलिस को तत्काल सूचना देने हेतु थाने के अधिकारियों के मोबाइल नम्बर व महिला हेल्प लाईन नम्बर 1090 तथा चाईल्ड हेल्प लाईन नम्बर 1098 नम्बर के बारे में बताया गया । उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी भालूमाडा निरीक्षक राकेश उइके के नेतृत्व में उनि0 राघव बागरी,प्र.आर. राजकुमार परस्ते, प्र.आर.संतोष यादव के द्वारा सेमीनार किया गया।

न्यायालय ने सुनाई महिला को 10 साल की सजा

महिला ने कोतमा न्यायालय में खाया जहरीला पदार्थ, इलाज जारी

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ अनूपपुर, कोतमा, अनूपपुर जिले के कोतमा न्यायालय में शनिवार को हत्या के प्रयास के उकसाने के मामले में न्यायालय ने 54 वर्षीय कल्पना पाटकर पति कमला पाटकर वार्ड नंबर 14 भालूमाड़ा को सजा सुनाई, सजा सुनते ही महिला जहरीले पदार्थ का सेवन कर न्यायालय में ही गिर पड़ी । पुलिस ने तत्काल ही महिला को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा लेकर पहुंचे जहां पर महिला का इलाज जारी है। डॉक्टर ने बताया कि महिला अब खतरे से बाहर है। मिली जानकारी के अनुसार 2020 में अंशुल पाटकर अपने पिता कमला पाटकर के ऊपर हत्या करने की नीयत से गोली चलाई थी । हालांकि इस दौरान पिता की जान बच गई जिस पर भालूमाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया था । फरियादी के द्वारा बताया गया था कि कल्पना पाटकर के उकसाने पर उनका बेटा अंशुल पाटकर ने गोली चलाई थी । जिस पर पुलिस ने कल्पना पाटकर के विरुद्ध हत्या करने का प्रयास को लेकर उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू किया था । बताया गया कि अंशुल पाटकर पिछले दो वर्षों से जेल में बंद है वहीं शनिवार को मामले की सुनवाई हुई । जहां पर न्यायालय ने कल्पना पाटकर को दोषी पाते हुए 10 साल की सजा सुनाई ,महिला सजा सुनते ही जज को ही भला बुरा कहते हुए जहरीले पदार्थ का सेवन कर ली, जहरीले पदार्थ का सेवन करते ही महिला न्यायालय परिसर में ही बेहोश हो गई मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने महिला को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टर के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद महिला का स्वास्थ्य बेहतर बताया जा रहा है । हालांकि महिला के पास अब पुलिस लगी हुई है।

जिला पंचायत के विधायक प्रतिनिधि बने अनीस खान

विधायक अनुभा मुंजारे ने बनाया पूर्व मुख्यमंत्री के करीबी को प्रतिनिधि

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । लालबर्रा, बालाघाट विधानसभा क्षेत्र क्र 111 की विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी ने जिला पंचायत बालाघाट हेतु लालबर्रा सरपंच अनीस खान को अपना विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। ज्ञात हो कि वर्तमान समय में संपूर्ण जिले में एक मात्र अनीस खान ही ऐसे जनप्रतिनिधि है जो की त्रिस्तरीय पंचायती राज में सबसे कम उम्र में लगातार 2004 से चौथी बार चुनाव जीतकर लालबर्रा ब्लाक मुख्यालय की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं,10 वर्षो तक जनपद पंचायत सदस्य व विगत 10 वर्षों से सरपंच पद पर निर्वाचित हुए अनीस खान को पंचायत छेत्र में वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं अनुभवी के रूप में जाना जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह जी के खास व करीबी माने जाने वाले अनीस खान को विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी द्वारा बालाघाट विधानसभा क्षेत्र क्र 111 से जिला पंचायत बालाघाट हेतु अपना विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है जिसमे लालबर्रा जनपद पंचायत के 3 डीडीसी छेत्र व जनपद पंचायत बालाघाट के दो डीडीसी छेत्र आते है। जिसमे लालबर्रा ब्लाक की 77 ग्राम पंचायत एव बालाघाट ब्लाक व जनपद पंचायत की 10 ग्राम पंचायत व 2 जिला पंचायत का छेत्र आते है ज्ञात हो कि पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान राज्यसभा सांसद श्री दिग्विजय सिंह के करीबी माने जाने वाले अनीस खान पिछले 20 वर्षो से लगातार त्रिस्तरीय पंचायत राज में निर्वाचित होकर अपना प्रतिनिधित्व कर रहे है दो बार जनपद पंचायत सदस्य व दो बार लगातार सबसे बड़ी ग्राम पंचायत के सरपंच पद पर निर्वाचित हुए साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी के विभिन पदों पर रहे हैं तथा वर्तमान में जिला जिला कांग्रेस बालाघाट के सचिव पद पर पदस्थ है, बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा लालबर्रा के युवा सरपंच अनीस को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किये जाने पर छेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त किया जिसमें भाऊराम गाड़ेश्वर,दमनसिंह राहंगडाले, श्रीमती लक्ष्मी वघाड़े, वैभव बिसेन,गौरीशंकर मोहारे,आनंद बिसेन, रवि अग्रवाल, ज्ञान शर्मा,मनोहरअग्रवाल,मधु शर्मा, विनीता सोनी,दीपक अग्रवाल, शिवकुमार गोलछा, नारायण परिहार,ढालसिंह बिसेन, गणेश मोहबे, बालकृष्ण बिसेन, कन्हैया राहंगडाले, शैलेष केकती, नितिन सांखला, अशोक जैन, अशोक चावला, सम्भूलाल पटले, जाहिद खान, सुमेन्द्र पटले, दुर्गा पगरवार, विनीता सोनी, संदेश सैयाम, मुन्ना भोयर, दीपक कावरे, रामजी माने, रामप्रसाद पंचेश्वर, कृष्णा लरहे, झमसिंह राणा,गुलाब चौधरी, ईश्वरी चौधरी, टुंडीलाल ठाकरे, पन्नालाल गौतम, उम्मेद बिसेन, विनोद धामडे, अशोक नगपुरे, स्वप्निल शर्मा, भेजन लाल सर्राते, पोखनलाल टेम्भरे, तेजलाल नागेश्वर, सुरेश खैरवार, दिलेश ठाकुर, संजय कटरे, रेखचन्द बिसेन, कृष्णा टेम्भरे, सेवकराम पंचेश्वर, ईश्वरी सिंघनधुपे,दिलचंद पंचेश्वर,स्वप्निल शर्मा,मनीष बटघरे,इकबाल खान,चैनलाल श्रीवास,नईम खान,मो सुलेमान खान सहित सरपंचगण व शुभचिंतकों द्वारा अनीस खान को बधाई देकर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी का आभार जताया है।

कुरड़ायां में सेवानिवृत्त होने पर सम्मान

37 साल के सेवाकाल के बाद वार्ड ब्वाय शर्मा को दी विदाई

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ । मेड़ता रोड, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुरड़ायां में कार्यरत वार्ड ब्वाय महावीर शर्मा शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। पीएचसी परिवार की ओर से सेवानिवृत्त समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने माला साफा के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। नर्सिंग ऑफिसर राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि शर्मा स्वास्थ्य केंद्र में योग्य और अनुभवी सहयोगी थे। उनके 37 साल के सेवाकाल की प्रशंसा की। सिनियर नर्सिंग ऑफिसर अर्जुन चौहान ने कहा कि इनके कार्यकाल की शुरुआत 1987 में यही से हुई थी। महावीर शर्मा के व्यवहार , कुशलता व ईमानदारी के कायल सभी थे। ग्रामीणों ने विदाई देते हुए कहा कि इनकी सेवा को कभी भुलाया नहीं जा सकता । इनकी विदाई कागजी तौर पर हो रही है शर्मा सभी के हृदय में बसे हैं जहां से विदाई सम्भव नहीं है। इस दौरान पीएचसी स्टाफ की आंखें नम हो गई। ग्रामीणों ने महावीर शर्मा के सेवाकाल की सराहना करते हुए उनका सम्मान किया गया और स्टाफ साथियों, ग्रामीणों ने डिजे बेंड बाजों के साथ घर तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर – लेब टेक्नीशियन श्रीकांत,डाटा ऑपरेट रामअवतार डागा,एनएम सुशीला देवी,मतु देवी, सुमित्रा,मैथी देवी, सफाईकर्मी जितेन्द्र सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

मेड़ता रोड से रामदेवरा के लिए पैदल जत्था रवाना

जत्थे में दर्जनों महिला-पुरुष शामिल पांच सितंबर को करेंगे बाबा के दर्शन

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ । मेड़ता रोड, श्री राधा माधव सेवा समिति पैदल बैनर तले बाबा रामदेव मंदिर मेड़ता रोड से रामदेवरा के लिए तेहरवां पैदल जत्था रवाना हुआ। इस पैदल जाते में महिलाओं तथा पुरुषों सहित दर्जनों श्रद्धालु रामदेवरा के लिए गाजे बाजे के साथ रवाना हुए। इस दौरान डीजे की थाप पर महिलाएं भजन कीर्तन करती हुई तथा नाचती हुई चली। पैदल जत्था रवाना होने के दौरान भक्तगण बाबा रामदेव महाराज के जयकारा भी लगा रहे थे। यह जत्था 5 सितंबर को रामदेवरा पहुंचकर बाबा के दर्शन करेगा। संघ संचालक मदन लाल प्रजापत ने बताया कि रामदेवरा से वापस आने के बाद यह संघ रेलवे स्टेशन स्थित बाबा रामदेव जी के मंदिर में रात्रि जागरण भी करेगा जिसमें समस्त रात्रि भजन गायको द्वारा बाबा के दरबार में भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। इस दौरान संघ संचालक मदनलाल प्रजापत, गुमान सिंह चौहान, महेंद्र सिंह राठौड़, राजेंद्र सिंह गहलोत तथा रामकिशोर दवा वाले सहित दर्जनों भक्तगण बाबा के दरबार रामदेवरा के लिए रवाना हुए।

ट्रैफिक पुलिस ने सीखे वायु प्रदूषण से बचाव के गुर

इंदौर में सड़कों पर चलने वाले वाहनों से होता है 70 फीसदी वायु प्रदूषण

इंदौर। इंदौर में वायु गुणवत्ता सुधार की मुहिम के साथ अब ट्रैफिक पुलिस के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सड़कों पर ट्रैफिक की वजह से वायु प्रदूषण से जुड़े खतरों को देखते हुए ट्रैफिक नियंत्रण विभाग और क्लीन एयर कैटलिस्ट (सीएसी) ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को स्वास्थ्य और वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव विषय पर आयोजित वर्कशॉप में एक दिन का प्रशिक्षण दिया। क्लीन एयर कैटलिस्ट के एक अध्ययन के मुताबिक इंदौर में 70 फीसदी वायु प्रदूषण सड़कों पर चलने वाले वाहनों के कारण होता है। यातायात पुलिस को प्रशिक्षण देते हुए सीनियर पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. सलिल भार्गव ने कहा, वायु प्रदूषकों के संपर्क में रहने से सांस और हृदय संबंधी बीमारियों सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियां हमारी 100 साल की जिंदगी को घटा कर 70-80 साल तक ला रही हैं। वायु प्रदूषण के बीच सड़क पर लंबा समय बिताने की वजह से यातायात पुलिस के लिए जोखिम ज्यादा है।हमें जागरूक हो कर इन खतरों से बचना हैं। प्रदूषण के खतरों से बचने के लिए मास्क लगाना, प्राणायाम और व्यायाम, शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनाए रखना, पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य की नियमित जांच बेहद जरूरी है। इंदौर नगर निगम के अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा ने कहा, यह प्रशिक्षण यातायात पुलिस की सेहत के बचाव के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। ट्रैफिक टीआई, पश्चिम क्षेत्र, अर्जुन पवार ने कहा कि यह प्रशिक्षण आम लोगों के ही साथ यातायात पुलिस की खुद की सुरक्षा में मददगार होगा। असिस्टेंट प्रोग्राम मैनेजर, अर्बन हेल्थ, विनय पांडे ने कहा कि पब्लिक हेल्थ के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली आशा कार्यकर्ता अब शहर में वायु प्रदूषण रोकने में मदद करेंगी। क्लीन एयर कैटलिस्ट के प्रोजेक्ट मैनेजर कौशिक हजारिका ने वायु गुणवत्ता सुधार के लिए इंदौर नगर निगम के साथ किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा दिया। वाइटल स्ट्रेटेजीज के प्रोग्राम मैनेजर सौरभ पोरवाल ने स्वास्थ्य पर वायु गुणवत्ता के दुष्प्रभावों और उनसे बचने के तरीकों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी। मेघा नामदेव ने ट्रांसपोर्ट सॉल्युशंस के बारे में विस्तार से बताया जिनके लागु होने से इंदौर शहर स्वच्छ वायु, स्वच्छ और स्वस्थ इंदौर के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।साइंटिस्ट डॉ. निवेदिता बर्मन ने एयर क्वालिटी बेसिक साइंस को बुनियादी उदाहरणों के साथ समझाया।

पोषण अभियान के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान

भोपाल

महिला एवं बाल विकास विभाग जिला भोपाल के अंतर्गत 10 परियोजनाओ के सभी 1872 आंगनवाड़ी केंद्रों में सातवें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया गया। आंगनवाड़ी केंद्र, सामुदायिक केंद्र एवं सेम बच्चों की माताओ के घर एवं भोपाल शहर में स्थित बालिका गृह एवं एस.ओ.एस. बालग्राम एवं विभिन्न बाल संरक्षण गृहों पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, विभाग के अधिकारी जनप्रतिनिधि, बच्चों एवं उनके पालकों द्वारा एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ पूर्ण हर्षोउल्लास के साथ किया गया। परियोजना मोतिया पार्क के अंतर्गत पीपलनेर आंगनवाड़ी परिसर में संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास संभाग भोपाल श्रीमती नकी जहां कुरैशी द्वारा फलदार वृक्ष का वृक्षारोपण किया गया एवं उपस्थित समुदाय के सदस्यों द्वारा पौधे के संरक्षण की शपथ भी ली गई। साथ ही योगा केंद्र ईदगाह हिल्स, शहीद नगर, बैरागढ़ कला में भी जनप्रतिनिधि द्वारा वृक्षारोपण किया गया।वार्ड 21 में पार्षद श्रीमती विनीता सोनी

द्वारा पौधारोपण किया गया। बाणगंगा परियोजना में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुनील सोलंकी द्वारा वार्ड- 33 के पार्षद श्री रामकुमार बघेल के साथ वल्लभ नगर आंगनवाड़ी केंद्र परिसर में वृक्षारोपण किया गया। गोविंदपुरा परियोजना अंतर्गत 479 आंगनवाड़ी केंद्र में वृक्षारोपण किया गया। समस्त आंगनवाड़ी केंद्र के परिसर में पौधे लगाए गए। कोलार परियोजना में वार्ड पार्षद 82 श्रीमती सुनीता भदोरिया द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जेपी नगर परियोजना में वार्ड-14 की पार्षद श्रीमती शिबा मसूद द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इसके साथ ही बालिका गृह, एस.ओ.एस. बालग्राम, मदर टेरेसा बालगृह, संप्रेक्षण गृह में भी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुनील सोलंकी, सहायक संचालक श्री राम गोपाल यादव एवं संस्थाओं के सदस्यों द्वारा एक पेड़ माँ के नाम के अन्तर्गत वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात दोपहर 12:00 बजे वेबकास्ट का प्रसारण महिला बाल विकास भारत सरकार द्वारा किया गया। जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका ने हिस्सा लिया। इस प्रकार पोषण माह का शुभारंभ एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रारंभ किया गया।

सुरक्षा उपायों को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला चिकित्सालय में समीक्षा बैठक

नर्मदापुरम

कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में शासन से प्राप्त निर्देश अनुसार जिला चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करनें के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया कि जिला अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रवेश एवं निकासी को रेगुलेट किया जाए, सुरक्षा कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन एवं मेडिकल फिटनेस किया जाए। उन्होनें कहा कि अस्पताल स्टाफ की सुरक्षा परेशानियों को हल करनें के लिए टीम का गठन किया जाए तथा डॉक्टर, प्रबंधक, नर्स एवं आउट सोर्स कर्मियों की सुरक्षा के लिए जिला चिकित्सालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर समिति बनाकर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देशित किया है कि सभी अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन समाय समय पर निरीक्षण भी किया जाए। सभी

मरीजों के अटेंडर के लिए पास सिस्टम लागू किया जाए, सपोर्ट स्टाफ की कमी को पूरा करने के लिए शासन को पत्र लिखकर नवीन और आउट सोर्स कर्मियों की भर्ती के लिए अवगत कराया जाए। सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए शासन को पत्र लिखा जाए सुरक्षा कर्मियों को ट्रेनिंग दी जावे एवं उनका ओरियंटेशन किया जावे। उन्होनें सीएमएचओ को निर्देशित किया है कि सीसीटीवी की संख्या भी बढ़ाई जाए एवं सभी गेटों पर लगवाई कैमरे से सर्विलांस किया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही पार्किंग टेंडर किया जाए तथा अस्पता परिसर में पुलिस चौकी चालू करवा कर 24×7 पुलिस कर्मी की ड्यूटी लगाई जाना सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने जिला अस्पताल में अनाउंसमेंट सिस्टम को सभी यूनिट्स में चालू किया जाने एवं समचित अस्पताल परिसर में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करनें के लिए अस्पताल परिसर में विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। उन्होने कहा कि रात्रि में भी उच्च अधिकारियों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किया जाए तथा सभी बंद जगह, कमरों एवं कम रोशनी वाली जगह को चिन्हित कर मैप बनाया जाए। अस्पताल परिसर में केवल एक ही प्रवेश द्वार संचालित कर अन्य सभी अनावश्यक प्रवेश द्वारों को बंद करनें के निर्देश कलेक्टर द्वारा सीएमएचओ को दिए गए। उन्होने मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा कर्मी की उपस्थिति सुनिश्चित करनें तथा सपोर्ट स्टाफ की पूर्ति के लिए सीएमएचओ नर्मदापुरम द्वारा कलेक्टर को पत्र लिखकर अवगत कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टर को निर्देशित किया कि अस्पताल गेट के पास से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी की जाए। इस अवसर पर एडीएम श्री डीके सिंह, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर, एडिशनल एसपी श्री आशुतोष मिश्रा, सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार, एसडीओपी पराग सैनी, सिविल सर्जन डॉ प्रजापति, आरएमओ डॉ संजय पुरोहित, डॉ आर महेश्वरी सहित जिला चिकित्सालय के अधिकारी, अस्पताल प्रबंधक, मेट्रन एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कुंभराज में पीएम जनमन एवं राजस्व महाअभियान की प्रगति का लिया

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुंभराज का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

गुना

जिले में पीएम जनमन योजना अंतर्गत विशेष पिछड़ी सहरिया जनजाति को शासन द्वारा योजनाओं का शत-प्रतिशत हितलाभ वितरण करने हेतु विशेष अभियान 23 अगस्त से लगातार जारी है, यह अभियान 10 सितंबर तक चलाया जाएगा। साथ ही राजस्व महाभियान अंतर्गत ईकेवाईसी एवं नक्शा तरमीम का कार्य भी किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह स्वयं गांव- गांव पहुंचकर कार्यों की प्रगति का जायजा ले रहे हैं। इसी क्रम में आज कलेक्टर डॉ. सिंह द्वारा तहसील चांचौड़ा के ग्राम पंचायत खटकिया एवं बड़ौद का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन कुंभराज का निरीक्षण किया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी चांचौड़ा श्री रवि मालवीय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सीएस सिसोदिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्री पुष्पेंद्र व्यास, तहसीलदार श्रीमति अमिता सिंह, नायब तहसीलदार श्री एमएल पंथी, जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग श्री बी.सिसोदिया सहित विकास खण्ड अधिकारी उपस्थित रहे। आज ग्राम खटकिया में निरीक्षण के दौरान पीएम

जनमन अंतर्गत आधार अपडेशन, जाति प्रमाण पत्र बनाने आदि कार्यों की सूक्ष्मता से समीक्षा की। राजस्व महाभियान 2.0 में ई-केवाईसी एवं नक्शा तरमीम कार्य की समीक्षा के दौरान प्रगति संतोषजनक नही पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की तथा उपस्थित पटवारी को 10 दिवस के भीतर लक्ष्य अनुसार कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

भ्रमण के दौरान ग्राम बड़ौद में पंचायत भवन एवं स्कूल भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल भवन परिसर के आसपास पेवर्स लगाने के निर्देश दिये। राजस्व महाभियान 2.0 अंतर्गत ई-केवाईसी एवं नक्शा तरमीम कार्य की उपस्थित पटवारी से अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणजनों से चर्चा कर समस्याओं के संबंध में आवेदन प्राप्त किये एवं संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिये। ग्राम बड़ौद में पंचायत भवन ठीक करने के निर्देश सीईओ जनपद पंचायत श्री व्यास को दिए।

तहसील चांचौड़ा के भ्रमण के दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुंभराज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने एएनसी, पीएनसी वार्ड, स्टोर रूम, पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुंभराज के जीर्ण-शीर्ण भवनों को तोड़कर पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त करने के संबंध में निर्देश दिये साथ ही परिसर में सीसीटीव्ही कैमरा लगाने के निर्देश दिये। परिसर में उपलब्ध एम्बुलेंस के लिए वाहन चालक की व्यवस्था के संबंध में उपस्थित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये।

शांति, सदभाव एवं भाईचारे के साथ मनाएँ सभी त्यौहार

ग्वालियर

जिला स्तरीय शांति समिति ने की अपील

गणेश उत्सव, मिलाद-उन-नबी, नवदुर्गा महोत्सव, माँ मरियम जन्मोत्सव, दशहरा एवं दिवाली सहित अन्य त्यौहारों को लेकर हुई बैठक

प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए स्थल निर्धारित

गणेश उत्सव, मिलाद-उन-नबी, माँ मरियम का जन्मोत्सव, नवदुर्गा महोत्सव, दशहरा एवं दिवाली सहित अन्य त्यौहार जिले में शांति और सदभाव के साथ मनाएँ। इस आशय की अपील कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक के माध्यम से जिलेवासियों से की गई। शांति समिति ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि सभी त्यौहारों के दौरान सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग न करें तथा साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए चिन्हित किए गए स्थलों की जानकारी भी शांति समिति की बैठक में दी गई। शनिवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सियाज के.एम. व एडीएम श्री टी एन सिंह तथा शांति समिति के सदस्यगणों समेत जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में शांति समिति के सदस्यों से कहा गया कि वे गणेशोत्सव व नवदुर्गा उत्सव के पण्डाल को कम से कम 6 फीट ऊँचाई पर टीन इत्यादि से कवर करें, जिससे उसमें मवेशी इत्यादि न घुसने पाएँ। पण्डाल परिसर में 24 घंटे वॉलेन्टियर की ड्यूटी लगाएँ और इनकी सूची संबंधित थाने को उपलब्ध कराएँ। त्यौहारों के दौरान पण्डाल बिजली के तारों के नीचे व ट्रांसफार्मर के नजदीक न लगाए जाएं। कलेक्टर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि धार्मिक चल समारोह निर्धारित मार्ग से पारंपरिक रूप से निकाले जाएँ और इसकी पूर्व अनुमति अवश्य ली जाए। साथ ही सुव्यवस्थित ढंग से चल समारोह निकालने के लिए आयोजक वॉलेन्टियर जरूर तैनात करें और इनकी सूची नजदीकी पुलिस थाने को उपलब्ध कराएँ। बैठक में बताया गया कि एक ही अनुविभाग में चल समारोह निकालने के लिये संबंधित एसडीएम अनुमति देंगे। एक से अधिक अनुविभाग का क्षेत्र होने पर अपर जिला दण्डाधिकारी से अनुमति ली जा सकेगी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सियाज के.एम. ने शांति समिति की बैठक में आश्वस्त किया कि सभी त्यौहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। सभी धर्मावलम्बी शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोगी बनें और उत्साह, उमंग एवं आपसी भाईचारे के साथ सभी त्यौहार मनाएँ। बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने इस अवसर पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

खुरैरी जलाशय में होगा बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन शांति समिति की बैठक में जानकारी दी गई कि इस साल सागरताल की साफ-सफाई कराई गई है और उसमें पानी नहीं है। इसलिए इस बार भगवान गणेश की बड़ी प्रतिमाओं अर्थात दो फीट से बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए मुरार स्थित खुरैरी जलाशय निर्धारित किया गया है। दो फीट से छोटी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिये मुरार नदी के किनारे हुरावली के समीप अस्थायी जलाशय बनाया जायेगा। साथ ही कटोराताल के कौने पर स्थित छोटे कुण्ड में भी दो फीट से छोटी प्रतिमाएँ विसर्जित की जा सकेंगीं। घरों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन कराने के लिए शहर भर में नगर निगम व जन सहयोग से चलित विसर्जन वाहन घूमेंगे। इन वाहनों में बड़ी-बड़ी टंकियों में शुद्ध जल भरकर रखा जायेगा। बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ एसडीआरएफ के गोताखोर भी तैनात किए जायेंगे। शांति समिति के सदस्यगण भी अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को सुरक्षा व सावधानी के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन करने की अपील करेंगे।

धार्मिक आयोजनों के दौरान साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान होने वाले भण्डारों में भी आयोजक साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने गणेश महोत्सव व मिलाद-उन-नबी सहित सभी त्यौहारों के दौरान शहर में साफ-सफाई व पेयजल की सुदृढ़ व्यवस्था करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त को दिए। साथ ही कहा कि पूजा घरों में भी साफ-सफाई कराई जाए। विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को त्यौहारों के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति रखने के निर्देश दिए गए।

सागर कलेक्टर श्री संदीप जी आर के निर्देशानुसार राहतगढ़ एसडीएम श्री अशोक सेन ने आंगनवाड़ी पोषण वाटिका में मुनगा के पौधे लगाए। उन्होंने मिड डे मील के अंतर्गत भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। साथ ही विद्यार्थियों से भी चर्चा की।

कमिश्नर श्री दुग्गा ने किया सोनपुर के आश्रम छात्रावास का निरीक्षण

छात्रावास के दिवालों में महापुरूषों के सुविचारों को लिखने के निर्देश

आदिवासी विकास विभाग के कमिश्नर श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा द्वारा सोनपुर पहुंकर आश्रम छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं से पढ़ाई संबंधी बातें की और अच्छे से पढ़कर भविष्य में शिक्षक, डॉक्टर, कलेक्टर, इंजीनियर, नर्स, आरक्षक, पटवारी आदि बनने हेतु प्रोत्साहित करते हुए विद्यार्थियों को बेहतर पढ़ाई कर अपने जीवन को सुखमय बनाने की शुभकामनाएं दी। कमिश्नर श्री दुग्गा ने छात्रावास का निरीक्षण करते हुए उपस्थित सुरक्षा गार्ड, सफाई कर्मचारियों को हिदायत देते हुए कहा है कि आश्रम छात्रावास में साफ सफाई के साथ बच्चों की पढ़ाई में मदद करें। उन्होंने आश्रम छात्रावास में किसी भी प्रकार की घटना ना हो इसके लिए सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान छात्रावास के अधीक्षक अनुपस्थित पाए जाने पर उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को दिए। उपस्थित छात्र छात्राओं से चर्चा करते हुए बच्चों से पढ़ाई की गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी लिया। कमिश्नर श्री दुग्गा ने बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद और साफ सफाई के साथ अपने मेनू को पालन करते हुए अनुशासन सीखने की बात कही। विद्यार्थियों को बिमारियों से बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करने की जानकारी दी। कमिश्नर श्री दुग्गा ने छात्रावास के दिवालों में महापुरूषों के आदर्शों एवं सुविचारों को आकर्षक रूप में लिखें, जिससे विद्यार्थी प्रेरित होकर पढ़ाई में अच्छे अकों से उत्तीर्ण हो सकें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बिपिन मांझी, आदिवासी विकास विभाग के अपर संचालक राधेश्याम भोई, एसडीएम वासु जैन, आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त बद्रीश सुखदेवे, मंडल संयोजक वासुदेव भारद्वाज उपस्थित थे।

मेरठ-लखनऊ समेत तीन वंदेभारत ट्रेनों को हरी झंडी

पीएम बोले- हाई-स्पीड ट्रेनों से सपनों का विस्तार, दक्षिणी राज्यों के विकास पर फोकस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ-लखनऊ वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मौजूद मेरठ सांसद अरुण गोविल ने कहा कि ह्यआज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज मेरठ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री द्वारा इतना अच्छा तोहफा मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मेरठ-लखनऊ, मदुरै-बंगलूरू और चेन्नई-नागरकोइल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

अपने वर्चुअल संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि ह्यआज उत्तर से दक्षिण तक देश की विकास यात्रा में एक और अध्याय जुड़ रहा है। आज से मदुरै - बेंगलुरु , चेन्नई - नागरकोइल और मेरठ - लखनऊ के बीच वंदे भारत ट्रेनों की सेवा शुरू हो रही है। वंदे भारत ट्रेनों का ये विस्तार, ये रफ्तार हमारा देश विकसित भारत की ओर कदम दर कदम बढ़ रहा है। आज जो तीन वंदे भारत ट्रेनें शुरू हुई हैं इससे देश के महत्वपूर्ण शहर और ऐतिहासिक जगहों को कनेक्टिविटी मिली है। ये ट्रेनें तीर्थयात्रियों के लिए सुविधा देगी और इससे छात्रों, किसानों, आईटी के लोगों को बहुत लाभ होगा। जहां वंदे भारत की सुविधा पहुंच रही है वहां पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ह्यविकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए दक्षिण के राज्यों का तेज विकास बहुत जरूरी है। दक्षिण भारत में अपार प्रतिभा है, अपार संसाधन और अवसर हैं। इसलिए, तमिलनाडु और कर्नाटक समेत पूरे दक्षिण का विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। बीते 10 वर्षों में इन राज्यों में रेलवे की विकास यात्रा इसका उदाहरण है। इस साल के बजट में हमने तमिलनाडु को 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रेलवे बजट दिया है। ये बजट 2014 की तुलना में 7 गुना से अधिक है। इसी तरह कर्नाटक के लिए भी इस बार 7 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट आवंटित हुआ है। ये बजट भी 2014 की तुलना में 9 गुना अधिक है।

मेरठ में वंदे भारत को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि, ह्यआज मेरठ-लखनऊ रूट पर वंदे भारत ट्रेन के जरिए यूपी और खासकर पश्चिमी यूपी के लोगों को भी खुशखबरी मिली है। मेरठ और पश्चिमी यूपी क्रांति की धरती है। आज यह क्षेत्र विकास के नई क्रांति का साक्षी बन रहा है। वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज शहर में, हर रूट पर वंदे भारत की मांग है। हाई-स्पीड ट्रेनों के आने से लोगों में अपने व्यापार और रोजगार को, अपने सपनों को विस्तार देने का भरोसा जगता है। आज देशभर में 102 वंदे भारत रेलवे सेवाएं संचालन हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ह्यबीते 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ सके हैं। बीते वर्षों में रेलवे ने अपनी मेहनत से दशकों पुरानी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगाई है, लेकिन हमें अभी इस दिशा में बहुत लंबा सफर तय करना है। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक भारतीय रेल गरीब, मध्यम वर्ग सभी के लिए सुखद यात्रा की गारंटी नहीं बन जाए।

भारतीय दूतावास ने साइबर स्कैम में फंसे 47 भारतीयों को बचाया

लाओस के गोल्डन ट्राइंगल सेज में फंसे थे सभी

नई दिल्ली। लाओस में भारतीय दूतावास ने 47 भारतीयों को साइबर स्कैम केंद्र के चंगुल से बचा लिया है। दूतावास के अनुसार यह मिशन, जो विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए दूतावास की प्रतिबद्धता को दशार्ता है, लाओस में स्थानीय प्राधिकारियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में क्रियान्वित किया गया। जानकारी के मुताबिक ये स्थिति तब सामने आई जब लाओस अधिकारियों ने गोल्डन ट्राइंगल विशेष आर्थिक क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई के दौरान 29 भारतीयों को दूतावास को सौंपा। बाकी 18 व्यक्तियों ने खुद से दूतावास से संपर्क किया, संकट व्यक्त किया और अपनी दुर्दशा से बचने के लिए सहायता मांगी। थाईलैंड, लाओस और म्यांमार की सीमाओं के पास मौजूद गोल्डन ट्राइंगल विशेष आर्थिक क्षेत्र ने साइबर स्कैम समेत अवैध गतिविधियों के केंद्र के रूप में बदनाम है। जो अनजान व्यक्तियों को निशाना बनाते हैं। वहीं भारतीयों के बचाव की सुविधा के लिए, दूतावास के अधिकारी विएंतियाने से बोकेओ गए और इन व्यक्तियों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों से सीधे संपर्क किया। दूतावास ने बचाए गए नागरिकों के लिए बोकेओ से वियनतियाने तक लाने की व्यवस्था की और उनके पहुंचने पर उन्हें रहने और खाने की व्यवस्था उपलब्ध कराई। वहीं वियनतियाने में भारतीय लोगों के पहुंचने पर, लाओस में भारत के राजदूत प्रशांत अग्रवाल ने उनसे मुलाकात की। राजदूत प्रशांत अग्रवाल ने बचाए गए व्यक्तियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की और उन्हें आगे के लिए सलाह दी। इन व्यक्तियों को भारत वापस लाने की सुविधा के लिए दूतावास ने लाओस अधिकारियों के साथ सभी जरुरी कामों को पहले ही पूरा कर लिया है। बता दें कि बचाए गए 47 लोगों में से 30 पहले ही सुरक्षित वापस आ चुके हैं या लौटने की प्रक्रिया में हैं, जबकि बाकी 17 अंतिम यात्रा व्यवस्था की प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनके जल्द ही लाओस से निकलने की उम्मीद है।

प्रभावित लोग वापस नहीं जाना चाहते अपने घर, वैकल्पिक छत, मुआवजा और जीवन जीने के साधन को लेकर परेशान

वायनाड के पंचरीमट्टम के पास फिर भूस्खलन

वायनाड (केरल)। केरल के वायनाड जिले में पिछले महीने मेप्पाडी के पास विभिन्न पहाड़ी इलाकों में आए भूस्खलन ने भारी तबाही मचा दी थी। तीन गांव पंचरीमट्टम, चूरालमाला और मुंडक्कई सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। इस प्राकृतिक आपदा के कारण 300 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। अब बताया जा रहा कि पंचरीमट्टम के ठीक पास शनिवार को एक और भूस्खलन हुआ। वहीं, राज्य सरकार के अधिकारियों को डर सता रहा है कि भूस्खलन प्रभावित कुछ इलाकों की भौगोलिक स्थिति को हुए बड़े नुकसान के बाद उन्हें स्थायी रूप से नो हैबिटेशन जोन यानी गैर बसावट क्षेत्र घोषित किया जा सकता है। जिला प्रशासन का कहना है कि उसने भूस्खलन हुए वाले इलाके में तलाशी अभियान और अन्य कार्यों में लगे लोगों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी है। 30 जुलाई की आपदा के बाद जीवित बचे लोग सदमे में हैं। इनमें से कई लोग अपने घर वापस नहीं जाना चाहते हैं। हालांकि, यह लोग अपने सिर पर एक वैकल्पिक छत, मुआवजा और जीवन जीने के साधन को लेकर परेशान हैं। मेप्पाडी पंचायत के तहत तीन गांव पंचरीमट्टम, चूरालमाला और मुंडक्कई सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। यहां प्रभावित लोगों के जीवन को फिर से सामान्य करने के लिए काम कर रहे अधिकारियों ने बताया कि पहले दो गांवों (वार्ड संख्या 10, 11 और 12) के कुछ हिस्सों में फिर से इंसानों का रहना संभव नहीं हो सकेगा। जमीन पर काम कर रहे एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने भी चिंता जताते हुए कहा कि गायत्री नदी के उफान और चौड़ी होने के कारण कुछ क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति स्थायी रूप से बदल गई है। इस नदी के उफान के चलते बड़े-बड़े पेड़, घर, स्कूल, मंदिर और अन्य सार्वजनिक ढांचे तहस-नहस हो गए। कुछ स्थानीय लोगों ने भी प्रभावित इलाकों को लेकर ऐसी चिंता जाहिर कीं। 39 साल के राजेश, जो पंचरीमट्टम में अपने घर के पास में एक शेड में टेलर की दुकान चलाते थे, अपने घर की हालत देखकर हताश हैं, जिसे उनके वृक्षारोपण कार्यकर्ता माता-पिता ने सात साल पहले अपनी बचत से बनवाया था। उन्होंने कहा, ह्यमुझे विश्वास नहीं हो रहा कि मेरा घर पूरी तरह से कीचड़ से भर गया है। खिड़कियां, दरवाजे सब टूट गए हैं। उस रात मेरे घर के ठीक सामने के दो घर पानी में बह गए थे।

तबाह हुए घर में कुछ दस्तावेज खोजते हुए राजेश ने कहा, ह्यमुझमें अब यहां रहने की हिम्मत नहीं है। इस क्षेत्र के कई लोग जो सरकारी हॉस्टल या किराए के आवास में हैं, वे ऐसा ही सोचते हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार से मदद की उम्मीद कर रहे हैं। नृत्य शिक्षिका जिथिका प्रेम ने कहा कि उस रात का भूस्खलन किसी डरावनी फिल्म के दृश्य की तरह था। उस दिन को यादकर डर महसूस हो जाता है। घर के लोगों और पड़ोसियों के साथ जो हुआ, उसके बाद यहां नहीं रहना चाहती। उन्होंने आगे कहा, ह्यमुझे उम्मीद है कि मुझे वहां कभी वापस नहीं जाना पड़ेगा। मैं वहां नहीं रह सकती।

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में फिर हुई चूक

रैली के दौरान शख्स ने की मंच पर चढ़ने की कोशिश

वॉशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में एक बार फिर चूक हुई है। पेंसिल्वेनिया के जॉन्सटाउन में आयोजित उनकी सभा के दौरान एक युवक ने सुरक्षा घेरे को पार कर मंच पर चढ़ने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस ने समय पर कार्रवाई करते हुए युवक को मंच तक पहुंचने से रोक दिया और उसे पकड़ लिया। ट्रंप अपनी सभा में खुले मंच पर भाषण दे रहे थे, जब एक युवक अचानक मंच की ओर बढ़ने लगा। यह युवक मंच पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने उसे पकड़ लिया और टेजर गन का इस्तेमाल कर उसे काबू में किया। टेजर गन एक प्रकार की बंदूक होती है, जो बिजली के झटके देकर अपराधी को नियंत्रित करती है। सुरक्षा कर्मियों ने युवक को तुरंत घेर लिया और फिलहाल युवक की मंशा के बारे में अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। यह भी नहीं पता चल पाया है कि युवक के पास कोई हथियार था या नहीं। चश्मदीदों के अनुसार, ट्रंप उस समय मीडिया की भूमिका पर आलोचना कर रहे थे इसके बाद ही प्रेस गैलरी की ओर तनाव बढ़ गया था। जिसके बाद युवक मंच की ओर बढ़ा। यह घटना ट्रंप के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि इससे पहले भी पेनसिल्वेनिया में एक युवक ने उन पर हमला किया था। उस हमले में युवक ने ट्रंप की ओर गोली चलाई थी, गनीमत थी कि गोली ट्रंप के कान को छूती हुई चली गई। ट्रंप उस समय मंच पर खून से लथपथ हो गए थे और उन्हें तुरंत घटनास्थल से हटा लिया गया था। हमलावर युवक को अमेरिकी सुरक्षा सेवा ने घटनास्थल पर ही मार गिराया था। उल्लेखनीय है कि इस साल नवंबर में अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं जिसमें ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में होंगे। उनके खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार के रूप में वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस चुनाव में हिस्सा लेंगी। पेंसिल्वेनिया की सभा में हुई सुरक्षा चूक ने ट्रंप की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कंगना रनौत की फिल्म पर रोक लगाने की मांग को लेकर कोर्ट में हुई सुनवाई, सेंसर बोर्ड ने दिया जवाब

शिकायतें सुनने के बाद ही इमरजेंसी को जारी किया जाएगा सर्टिफिकेट

चंडीगढ़। बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत की विवादों में फंसी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में दायर याचिका पर शनिवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सेंसर बोर्ड ने कोर्ट में जवाब दिया है कि अभी तक इस फिल्म को सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया है। फिल्म के खिलाफ कई शिकायतें हैं। शिकायतों को सुनने के बाद ही फिल्म को सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी का पंजाब में विरोध हो रहा है। फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर हुई है। इसके अलावा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने कंगना रनौत को कानूनी नोटिस भी भेजा है। कंगना की फिल्म इमरजेंसी 6 सितंबर को सिनेमा घरों में रिलीज होनी है, लेकिन अब सेंसर बोर्ड के इस जवाब के बाद फिल्म की रिलीज अटक सकती है। फिल्म इमरजेंसी के खिलाफ एडवोकेट ईमान सिंह खारा ने याचिका दायर की गई थी। जिसकी आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस बारे में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य गुरचरण सिंह ग्रेवाल का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सूचना और प्रसारण मंत्री के साथ-साथ सेंसर बोर्ड को भी पत्र लिखा था। इस में साफ कहा गया था कि इस फिल्म का विरोध इसलिए नहीं हो रहा कि इस में कंगना रनौत है बल्कि इस लिए किया जा रहा है कि फिल्म इमरजेंसी में सिखों को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। यह सिख समुदाय के प्रति एक साजिश है। अब अगर सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म को सर्टिफिकेट न देने की बात कही है तो यह बहुत अच्छा कदम है। यह मामला सिर्फ सिखों से जुड़ा नहीं बल्कि यह पूरे देश में सद्भाव की चिंताओं से भी जुड़ा है। एक दिन पहले कंगना रनौत ने वीडियो जारी कर अपनी फिल्म का सेंसर सर्टिफिकेट रोकने का आरोप लगाया था। कंगना ने कहा था कि सेंसर बोर्ड को धमकियां आ रही हैं, जिसके चलते फिल्म की रिलीज को रोका गया है। वहीं, पंजाब में बढ़ते विरोध को देखते हुए पंजाब सरकार भी फिल्म इमरजेंसी पर रोक लगा सकती है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने बीते दिन ऐसे संकेत दिये थे

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569